RNI No.MPHIN/2016/67534
दैनिक रुद्रांश दर्पण समाचार-पत्र
को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिले एवं तहसील में ब्यूरों एवं एजेंसी नियुक्त करना है। पत्रकारिता के अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें
प्रधान संपादक अंतरिक्ष पवार
सम्पर्क 8770227143 8109227153

भोपाल से प्रकाशित और छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश व राजस्थान से प्रसारित

RNI No. MPHIN/2016/67534

दैनिक रुद्रांश दर्पण

संपादक : अंतरिक्ष पवार

वर्ष-9, अंक-171 | भोपाल, शनिवार 14 सितम्बर 2024 | पृष्ठ-08 मूल्य-2 रु.

सुविचार

मीठा सा होता है ये ज़िंदगी का सफ़र
बस कड़वाहट तो किसी से ज्यादा उम्मीद रखने से होती है
कुशल व्यवहार आपके जीवन का आईना है
इसका आप जितना अधिक इस्तेमाल करेंगे आपकी चमक उतनी ही बढ़ जायेगी

मध्यप्रदेश पुलिस की बटालियन का नाम भी देवी अहिल्याबाई पर रखा जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वें जन्म शताब्दी के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की बैठक हुई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्म शताब्दी वर्ष में उनके प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक महेश्वर में आयोजित की जाएगी। देवी अहिल्या की न्यायप्रियता, शासन-प्रशासन में नवाचार, लोक कल्याण सहित उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व व कृतित्व पर शोध केलिए देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर में शोध पीठ स्थापित की जाएगी। देवी अहिल्या से जुड़ी ऐतिहासिक सामग्री के संकलन के लिए अभियान चलाया जाएगा। मध्यप्रदेश पुलिस की बटालियन का नाम भी देवी अहिल्याबाई पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बटालियनों के नाम महापुरूषों के नाम पर रखने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्मशताब्दी के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की सुशासन भवन में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, परिवहन तथा स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समिति के सदस्यगण ने आयोजन के संबंध में सुझाव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर प्रसिद्ध तीर्थों और धार्मिक स्थानों में मंदिर, घाट, कुंए और बावड़ियों का निर्माण कराया तथा अन्न क्षेत्र का भी संचालन किया। उनका शासनकाल न्यायप्रियता के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही महिला सशक्तिकरण के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी प्रासंगिक हैं। भारतीय जनमानस में उनके श्रेष्ठ, उत्तम और धर्म प्रधान गुणों की छाप विद्यमान है। विधवा विवाह को प्रोत्साहन व खासगी प्रथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य के उदाहरण हैं। माहेश्वरी साड़ियां बनाने से स्थानीय महिलाओं को जोड़कर उन्होंने महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वें जन्मशताब्दी वर्ष पर उत्सवों के आयोजन के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का प्रकटीकरण किया जाए।

इसके लिए शाला, महाविद्यालय, सार्वजनिक स्थलों पर गतिविधियों के साथ-साथ मीडिया के विभिन्न माध्यमों से देवी अहिल्याबाई होलकर से संबंधित जानकारियों का प्रसार किया जाए। लोकमाता देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व व कृतित्व को समग्र रूप से नई पीढ़ी के सामने लाया जाए। बैठक में आगामी गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित करने, ग्रामीण स्तर पर महिला नेतृत्व को चिन्हित कर पंचायत स्तर पर देवी अहिल्याबाई के नाम पर उन्हें सम्मानित करने, देवी अहिल्या की मोढ़ी लिपि में विद्यमान प्रशासनिक व साहित्यिक सामग्री का हिंदी व अंग्रेजी में अनुवाद करवाने, उन पर केन्द्रित स्मारिका प्रकाशित करवाने, शाला और महाविद्यालय स्तर पर देवी अहिल्याबाई पर केन्द्रित अकादमिक गतिविधियां संचालित करने, पाठ्यक्रम में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर पाठ का समावेश करने, शालाओं में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा का पीरियड आरंभ करने, देवी अहिल्याबाई पर जाणता राजा के समान भव्य नाट्य प्रस्तुति तैयार कराने संबंधी सुझाव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोक कल्याण, अभियांत्रिकी, लेखन और शौर्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले राजा भोज के कृतित्व और व्यक्तित्व से जनसामान्य को परिचित करवाया जाएगा। राजा भोज की स्मृति में भोपाल में तीन दिवसीय भोज देव महोत्सव भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इस महोत्सव की रूपरेखा के संबंध में मंत्रीगण की उपस्थिति में संस्कृति और अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदर्शनी, फिल्म प्रदर्शन, नाट्य मंचन, संगीत कार्यक्रमों और पुस्तकों के प्रदर्शन के माध्यम से राजा भोज का योगदान प्रदर्शित किया जाए। धार से लेकर भोपाल और अन्य क्षेत्रों में राजा भोज द्वारा सरोवर निर्माण एवं बांध निर्माण के लोकोपयोगी कार्य किए गए। उन्होंने लगभग सवा सौ कृतियां भी लिखी हैं। राजा भोज के हस्तलिखित पत्र और अन्य संग्रहित वस्तुओं को भी जनसामान्य के सामने लाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज के कार्यों पर फैलोशिप प्रदान करने और अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित किया जाए।

ब्रीफ न्यूज़

रेप केस में फंसे विंग कमांडर को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर को अग्रिम जमानत दी है जिन पर एक महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने रेप का इल्जाम लगाया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने महिला अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने पिछले दो साल से हो रहे यौन शोषण उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना की बात कही थी। एक रिपोर्ट की माने तो हाई कोर्ट के ऑर्डर में कहा गया है कि विंग कमांडर की गिरफ्तारी से उनके करियर और इज्जत को नुकसान पहुंच सकती है। अदालत ने पुलिस को चार्जशीट दाखिल करने से पहले उसकी इजाजत लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जांच जारी रखने की बात तो कही है लेकिन विंग कमांडर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अगर विंग कमांडर को गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें 50 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी जाएगी। महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने अपने बयान में बताया कि 31 दिसंबर 2023 को न्यू ईयर पार्टी के दौरान उनके वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें कमरे में बुलाया और वहां उनके साथ जबरदस्ती की। उन्होंने दावा किया कि विंग कमांडर ने उन्हें ओरल सेक्स करने के लिए मजबूर किया और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अधिकारी ने उनकी कोई बात नहीं सुनी। महिला अधिकारी का आरोप है कि शिकायत करने पर अधिकारियों ने मामले को दबाने की कोशिश की और सही ढंग से जांच नहीं की।

गलवां घाटी और पूर्वी लद्दाख समेत चार क्षेत्रों से पीछे हटे चीन और भारत के सैनिक

नई दिल्ली। रूस के शहर सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात रंग लाई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस में हुई बैठक में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए मिलकर काम करने की सहमति बनी। इसके बाद गलवां घाटी और पूर्वी लद्दाख समेत चार क्षेत्रों से सैनिक पीछे हट गए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि दोनों सेनाएं चार क्षेत्रों में पीछे हट गईं हैं। सीमा पर स्थिति स्थिर है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन-भारत संबंधों की स्थिरता दोनों देशों के मौलिक और दीर्घकालिक हितों में है। यह क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए भी जरूरी है। रूस में हुई बैठक में दोनों देशों के प्रमुख सहमति को लागू करने, आपसी समझ और विश्वास बढ़ाने, निरंतर संचार बनाए रखने और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए स्थितियां बनाने पर सहमत हुए। चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में वांग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और भारत को दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में स्वतंत्रता का पालन करना चाहिए। एक-दूसरे के बीच एकता और सहयोग अपनाकर उपभोग से बचना चाहिए। उम्मीद है कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण से अपने मतभेदों को ठीक से संभालेंगे। साथ ही एक-दूसरे के साथ आने का सही रास्ता ढूंढेंगे।

वित्तमंत्री के सामने जीएसटी पर मजाक पड़ा भारी, मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली। जीएसटी कितना सही है और कितना गलत इसे लेकर आम लोगों के बीच हमेशा मतभेद रहता है। जीएसटी से सबसे ज्यादा प्रभावित व्यापारी ही होते हैं तो जाहिर तौर पर उनके इस मुद्दे पर अपने कुछ विचार होंगे। अपने यही विचार व्यक्त करना एक रेस्टोरेंट मालिक को भारी पड़ गया। तमिलनाडु की जानी-मानी रेस्टोरेंट चेन श्री अन्नापूर्ना के मालिक श्रीनिवासन इस विवाद के केंद्र में हैं।

कोयम्बटुर में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में श्रीनिवासन ने जीएसटी को लेकर मजाकिया अंदाज में कुछ बाते कहीं। उन्होंने बताया कि कैसे जीएसटी की वजह से व्यापारियों को जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। आपको बता दें कि श्रीनिवासन तमिलनाडु होटल ओनर्स फेडरेशन के चेयरपर्सन भी हैं। श्रीनिवासन ने बैठक में कहा, मिठाइयों पर 5 परसेंट जीएसटी है लेकिन नमकीन जैसे स्नैक्स पर 12 परसेंट, क्रीम वाले बन पर 18 परसेंट जीएसटी है लेकिन बन पर कोई जीएसटी नहीं लगता। कस्टमर कई बार कहते हैं- आप ऐसा करें कि मुझे सिर्फ बन दे दें उसमें क्रीम और जैम में खुद लगा लूंगा। श्रीनिवासन की बात सुनकर वहां बैठे व्यापारी हंस पड़े। खबरों के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी यह सुनकर हंसी। इस मीटिंग की वीडियो वायरल होने के बाद एक और वीडियो वायरल हुई जो श्रीनिवासन और वित्तमंत्री के बीच हुई बैठक की थी। इस वीडियो को तमिलनाडु बीजेपी के किसी सदस्य की ओर से ही वायरल किया गया था। कुछ ही देर में यह वीडियो कई लोगों द्वारा शेयर की जाने लगी और खूब आलोचना भी की गई। इस वीडियो में श्रीनिवासन को अपने बयान के लिए माफी मांगते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, मैंने जो कहा कृपया उसके लिए मुझे माफ करें, मैं किसी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं हूं। यह वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेस और डीएमके ने बीजेपी की आलोचना की है।

राहुल गांधी ने जताई कड़ी नाराजगी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट करके इस तरह के बर्ताव पर कड़ी नाराजगी जताई। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, जब कोयंबटूर में अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट जैसे छोटे बिजनेस का मालिक लोक सेवकों से सरलीकृत जीएसटी की मांग करता है, तो उसकी गुजारिश को अहंकार और घोर अनादर समझा जाता है। मगर, जब कोई अरबपति मित्र नियमों में बदलाव चाहता है, कानूनों को बदलना चाहता है या राष्ट्रीय संपत्ति हासिल करना चाहता है तो मोदी उसके लिए लाल कालीन बिछा देते हैं।

अब तो छोटे व्यापारियों का अपमान भी किया जाने लगा

राहुल गांधी ने कहा कि छोटे व्यवसायों के मालिक पहले ही नोटबंदी, बेकार बैंकिंग सिस्टम, जबरन कर वसूली और विनाशकारी जीएसटी की मार झेल रहे हैं। अब तो उनका अपमान भी किया जाने लगा है। राहुल ने कहा, जब सत्ता में बैठे लोगों के नाजुक अहंकार को ठेस पहुंचती है, तो वे अपमान करना शुरू कर देते हैं। एमएसएमई बरसों से राहत की मांग कर रहे हैं। अगर यह अहंकारी सरकार लोगों की बात सुनती तो समझ आता कि सिंगल टैक्स रेट के साथ सरलीकृत जीएसटी से लाखों व्यवसायों की समस्याएं हल हो जाएंगी।

कुवैत में मुसीबत में फंसी भारतीय महिला, मंत्री से लगाई गुहार

नई दिल्ली। कुवैत में काम की तलाश में गई आंध्र प्रदेश की कविता का जीवन अचानक से एक बुरे सपने में बदल गया। आरोप है कि कुवैत में उसे एक कमरे में बंद कर रखा गया है और कई दिनों से न ही खाना दिया जा रहा है और न ही किसी से संपर्क करने की अनुमति। कविता का दर्द तब सामने आया जब उसने कुवैत से आंध्र प्रदेश के एक मंत्री को फोन कर कहा, मुझे बचाइए सर, ये लोग मुझे मार देंगे। कविता आंध्रप्रदेश के आन्नामाया जिले की रहने वाली हैं। उसके घर में दो बच्चे और एक विकलांग पति है। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए उसे काम के लिए कुवैत जाना पड़ा। मगर वहां पहुंचकर उसकी जिंदगी और भी मुश्किल हो गई। कविता ने बताया कि जिस कंपनी में वो काम कर रही थीं वहां के मालिक ने उसे बंद कर दिया है, खाना नहीं दिया जा रहा। इस वजह से उसकी हालत बहुत खराब है। कविता ने वीडियो संदेश के जरिए आंध्र प्रदेश के मंत्री रामप्रसाद रेड्डी से मदद की गुजारिश की। कविता ने कहा, मुझे एक कमरे में कैद किया हुआ है, भूखा रखा जा रहा है और मेरे साथ मारपीट की जा रही है। मेरा फोन छीन लिया है, घरवालों से बात भी नहीं करने दे रहे। पासपोर्ट भी ले लिया है। अब मैं और नहीं बचूंगी। इस वीडियो के बाद मंत्री रामप्रसाद रेड्डी ने फौरन केंद्रीय मंत्री कोण्डापल्ली श्रीनिवास से इस मामले में मदद करने की अपील की। उन्होंने कविता को जल्द से जल्द छुड़ाने की मांग की।

गुलामी का एक और निशान मिटा...

पोर्ट ब्लेयर अब कहलाएगा श्री विजय पुरम, केंद्र ने बदला नाम

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर विजयपुरम कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में पोर्ट ब्लेयर के नए नाम का ऐलान किया गया। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विजन के तहत देश को औपनिवेशिक पहचान से मुक्त करने के लिए हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजय पुरम करने का निर्णय लिया है। अब गुलामी का एक और निशान मिटा दिया गया है। उन्होंने लिखा कि पहले के नाम में औपनिवेशिक विरासत थी। विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम में हासिल की गई जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। यह द्वीप क्षेत्र जो कभी चोल साम्राज्य के नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था, आज हमारी रणनीतिक और विकास आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनने के लिए तैयार है। यह वह स्थान भी है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगे को पहली बार फहराया था और वह सेल्युलर जेल भी है जहां वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संघर्ष किया था। बता दें कि पिछली जनवरी में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर इस केंद्र शासित प्रदेश के 21 बड़े अनाम द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा था।

कोर्ट से हिंदू पक्ष को लगा झटका

ज्ञानवापी तहखाने की छत पर होती रहेगी नमाज, मरम्मत पर भी रोक

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर चल रहे कानूनी केस में हिंदू पक्ष को तगड़ा झटका लगा है। वाराणसी कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए व्यास तहखाने की छत पर नमाज पढ़ने वालों की रोक लगाने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। मतलब कि नमाज के लिए मुस्लिम इकट्ठा होते रहेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने तहखाने में मरम्मत कराने की इजाजत देने से भी इनकार कर दिया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले में तहखाने में चल रही पूजा को यथावत रखते हुए तहखाने के कस्टोडियन डीएम वाराणसी को किसी भी प्रकार की मरम्मत का आदेश देने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही हिंदू पक्ष की याचिका को अस्वीकार कर दिया। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की आपत्ति और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने की वजह से याचिका अस्वीकार कर दी। और यथास्थिति को बरकरार रखा है। गौरतलब है कि जब जनवरी में कोर्ट व्यास जी तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार मिलने के बाद एक संस्था की तरफ से एक याचिका डाली थी। इस याचिका में व्यासजी के तलगृह की छत पर मुस्लिमों के इकट्ठा होने से रोकने की मांग की गई थी।

पन्ना का मजदूर बना करोड़पति, मिला मध्यप्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा हीरा

पन्ना। बुंदेलखंड के पन्ना की रत्नगर्भा धरती ने एक बार फिर से हीरा उगला है और मजदूर को रातों-रात करोड़पति बना दिया है। यहां एक गरीब मजदूर को पन्ना की धरती से हीरा मिला है, जिससे अब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं है। नजारा पन्ना के हीरा कार्यालय का है, जहां एक मजदूर 32 कैरेट 80 सेंट का उज्जवल नायाब किस्म का हीरा लेकर आया और हीरा कार्यालय में जमा कराया है। दरअसल, मजदूर स्वामीदीन अपने सरकोहा ग्राम के खेत में हीरा की खदान लगाए हुए था, जहां उसे यह हीरा मिला है। मजदूर स्वामीदीन हीरा पाकर बहुत खुश है। क्योंकि वह रातों-रात करोड़पति जो बन गया है। जानकारी के मुताबिक, तीन महीने पूर्व यह खदान सरकोहा ग्राम में लगाई गई थी और इस खदान में तीन पार्टनर थे तो अब यह हीरा भी तीन पार्टनरों का है। इस हीरे से मिलने वाली रकम तीन हिस्सों में बांटी जाएगी। बता दें कि हीरा पन्ना के हीरा कार्यालय में जमा हो गया है, जिसे आगामी समय में नीलामी में रखा जाएगा और इसे ऑप्शन में बेचा जाएगा। हीरे की नीलामी बिक्री से मिलने वाली रकम की 12 प्रतिशत की रॉयल्टी काटकर शेष राशि हीरा पाने वाले व्यक्ति को दे दी जाएगी। वहीं, इसकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है।

मध्यप्रदेश में सामान्य से 5.8 इंच ज्यादा बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार मानसून जमकर बरस रहा है। सीजन की सामान्य बारिश का कोटा सितंबर के दूसरे हफ्ते में ही पूरा हो चुका है। पिछले तीन दिन से जो सिस्टम एक्टिव हुआ है, उसकी वजह से अब तक 40.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश 34.4 इंच से 5.8 इंच ज्यादा है। मौसम विभाग का कहना है कि 14 सितंबर तक इसी तरह बारिश का दौर जारी रहेगा। अभी मानसून की विदाई में 18 दिन बाकी हैं लेकिन एमपी के तालाब 65 फीसदी और बांध भी 90 फीसदी तक भर चुके हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, सितंबर के आखिरी हफ्ते से लेकर अक्टूबर के पहले हफ्ते तक 10-15 दिन का एक और सिस्टम एक्टिव होने के आसार हैं। पिछले पांच साल के आंकड़े देखें तो इस बार बारिश ने साल 2022 को छोड़कर 2020, 2021 और 2023 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 2022 में सबसे ज्यादा 46 इंच बारिश हुई थी। वहीं, साल 2023 में औसत से 0.1 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई थी।

बावन परी का मजा ले रहे ग्यारह आरोपी गिरफ्तार

रुद्रांश दर्पण जांजगीर-चांपा
भूपेन्द्र यादव

जांजगीर चांपा /शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में जुआ खेलने वाले ग्यारह आरोपियों को शिवरीनारायण पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया इस संबंध में पुलिस मीडिया ग्रुप से मिली जानकारी अनुसार मामला इस प्रकार हैं की विवेक शुक्ला (आईपीएस) पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा के निर्देशन में जिले में जुआ/सट्टा खेलने एवं खेलाने वालो के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 12.09.2024 को मुखबीर सूचना मिला कि थाना शिवरीनारायण क्षेत्र के ग्राम सलखन महंतराम खार में कुछ लोग ताश पत्ती से रूपयें पैसा का दांव लगाकर जुआ खेल रहें है कि सूचना पर अतिरिक्त. पुलिस अधीक्षक जांजगीर राजेन्द्र जायसवाल के कुशल मार्ग-दर्शन में गवाहो के साथ थाना स्तर पर टीम बनाकर मौके पर रेड कार्यवाही किया गया जहां पुलिस को आते देख कुछ जुआरीयों ने मौके से भाग गये तथा मौके पर ताश पत्ती से दांव लगाकर जुआ खेलते आरोपी (01.) अमन कश्यप पिता रामचंद कश्यप उम्र 21 साल साकिन कचंदा (02.) मुकेश साहू पिता हेमलाल साहू उम्र 26 साल साकिन मुडपार (03.) हीराप्रसाद सूर्यवंशी पिता पुनाराम सूर्यवंशी उम्र 25 साल साकिन मुडपार 04. मोनू भारद्वाज पिता रामलाल भारद्वाज उम्र 24 साल साकिन सलखन 05. गर्वराज पिता लतेलराम उम्र 28 साल साकिन सलखन 06. हेमचंद भारद्वाज पिता जीवन लाल उम्र 34 साल साकिन सलखन 07. सूरज भारद्वाज पिता चैतराम उम्र 34 साल साकिन सलखन 08. सुरेद्र सतनामी पिता गंगाराम सतनामी उम्र 33 साल साकिन सलखन 09. सुरेद्र सतनामी पिता गंगाराम सतनामी उम्र 33 साल साकिन सलखन 10. मणीराम कश्यप पिता रथराम कश्यप उम्र 40 साल साकिन सलखन 11. तुलाराम साहू पिता जीवराखन साहू उम्र 52 साल साकिन सलखन थाना शिवरीनारायण जिला जांजगीर चांपा मिला जिसके कब्जे से नगदी रकम सत्रह हजार पांच रूपये एवं, बावन पत्ती तास मिला जिसे गवाहो के समक्ष बरामद किया तब जाकर आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तारी कार्यवाही किया गया है उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक सागर पाठक थाना प्रभारी शिवरीनारायण सायबर सेल प्रभारी पारस पटेल, सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद महार विवेक सिंह प्रधान आरक्षक किशोर दीवान आरक्षक द्वारीका साहू, विकाश शर्मा, महेंद्र राज महिला आरक्षक पूजा कटकवार तथा सायबर सेल जांजगीर के आरक्षक अर्जुन यादव, शहबई अहमद, गिरीश कश्यप, प्रदीप दुबे, रोहित कहरा का सराहनिय योगदान रहा।

चार लोगों की नृशंस हत्या करने के एक अपचारी बालिका सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

रुद्रांश दर्पण बलौदाबाजार-भाटापारा
अरविन्द तिवारी

बलौदाबाजार भाटापारा - जादू टोना करने के शक में घन एवं लोहे के अन्य सामानों से घातक वार कर चार लोगों की नृशंस हत्या करने के एक अपचारी बालिका सहित पांच आरोपियों को थाना कसडोल पुलिस ने घटना के एक घंटे के भीतर विधिवत गिरफ्तार कर त्वरित कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से चारों आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल और इस प्रकरण में शामिल एक अपचारी बालिका को बाल सम्प्रेक्षण गृह भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से इस संबंध में मिली विस्तृत जानकारी अनुसार गत दिवस 12 सितम्बर को शाम के समय सूचना मिली कि थाना कसडोल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छरछेद मे एक साथ चार लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई है। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ थाना कसडोल , गिधौरी का पुलिस बल तत्काल घटनास्थल ग्राम छरछेद पहुंचा। घटना में मृतक परिवार के घर में ही दो महिला , एक पुरुष एवं एक ग्यारह माह के छोटे बच्चे की किसी वजनी हथियारों से घातक वार कर हत्या कर दी गई थी। सभी मृतक एक ही परिवार के है। पुलिस टीम एवं एफएसएल की फोरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। प्रकरण में चार लोगों की हत्या करने वाले आरोपियों के विरुद्ध थाना कसडोल में अपराध धारा 103(1) ,191(2) , 191(3) ,190 ,296 , 351(3) ,115(2) , 331(8) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये गवाहों से पूछताछ , घटनास्थल निरीक्षण एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या करने वाले एक अपचारी बालिका सहित पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया। आरोपियों से विस्तृत पूछताछ पर उनके द्वारा चारों लोगों की हत्या करना स्वीकार किया गया तथा पूछताछ में घटना के कारण के संबंध में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों की बच्ची की तबीयत बहुत दिन से खराब थी , जिसके लिये आरोपी , पड़ोसी मृतक परिवार के सदस्यों द्वारा जादू टोना करने का शक करते थे। इसी शक एवं आवेश में आकर सभी पांचों आरोपियों द्वारा एक साथ मिलकर पत्थर तोड़ने के लोहे के हथौड़े (घन) एवं लोहे के अन्य सामान से वार करते हुये चारों लोगों की हत्या कर दी गई। प्रकरण में थाना कसडोल पुलिस ने सभी पांचों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से चारों आरोपियों को जेल एवं अपचारी बालिका को बाल सम्प्रेक्षण गृह भेज दिया गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना कसडोल पुलिस स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मृतकों के नाम - चैतराम पिता राम लाल उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल , जमुना बाई उम्र 26 वर्षीया निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल , यश उम्र 11 माह निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल और यशोदा बाई उम्र 30 साल वर्तमान निवासी ग्राम गंगई थाना लवन जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

गिरफ्तार आरोपियों के नाम - रामनाथ उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल , दीपक उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल , दिल कुमार उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल , ललिता बाई उम्र 50 वर्षीया निवासी ग्राम छरछेद थाना कसडोल जिला बलौदाबाजार भाटापारा और एक अपचारी बालिका।

रुद्रांश दर्पण दुर्ग राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 2024 का हुआ समापन सफलता पाने के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए - सांसद श्री बघेल पढ़ाई के साथ-साथ खेल का भी है महत्व - विधायक श्री यादव

राजस्व एवं आदिवासी विभाग में जिला स्तरीय भर्ती के लिए परीक्षा कैलेण्डर जारी

डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं स्टेनो टायपिस्ट पद के लिए परीक्षा 29 सितम्बर को लिखित परीक्षा के लिए सिलेबस भी जारी

रुद्रांश दर्पण गरियाबंद

राजस्व विभाग एवं आदिवासी विकास विभाग जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न पदों में भर्ती के लिए जून 2023 में आवेदन आमंत्रित किया गया था। इसके अंतर्गत सहायक ग्रेड-03 स्टेनो टायपिस्ट, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, वाहन चालक, भृत्य, प्रोसेस सर्वर, अर्दली, चौकीदार, फर्राश एवं स्वीपर के रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन मंगाया गया था। आवेदन पश्चात दो चरणों में दावा -आपत्ति आमंत्रित कर प्राप्त दावा-आपत्ति का निराकरण किया गया था। इसी क्रम में भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए उक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कैलेण्डर जारी किया गया है। साथ ही परीक्षा के लिए सिलेबस भी जारी किया गया है। राजस्व विभाग अंतर्गत प्रथम चरण में स्टेनो टायपिस्ट एवं आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के लिए परीक्षा 29 सितम्बर 2024 को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जायेगी। इसका परीक्षा परिणाम 03 अक्टूबर को घोषित किया जायेगा। कौशल परीक्षा 07 अक्टूबर को ली जायेगी। तत्पश्चात अंतिम चयन सूची दस्तावेज सत्यापन 08 अक्टूबर को किया जायेगा। द्वितीय चरण में वाहन चालक, तृतीय चरण में सहायक ग्रेड-03 एवं चतुर्थ चरण में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए परीक्षा आयोजित की जायेगी। उक्त चरणों का परीक्षा तिथि पृथक से जारी की जायेगी। अपर कलेक्टर गरियाबंद ने बताया कि उपरोक्तानुसार दावा-आपत्ति निराकरण सूची, विस्तृत चयन प्रक्रिया तथा लिखित परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम एवं संभावित परीक्षा तिथि के अद्यतन जानकारी के लिए जिला कार्यालय गरियाबंद के सूचना पटल एवं गरियाबंद जिले के आधिकारिक वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है। उक्त भर्ती प्रक्रिया की सभी जानकारी आधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट गरियाबंद डॉट जीओवी डॉट इन पर प्रदर्शित की जायेगी। अभ्यर्थियों को नियमित रूप से वेबसाईट का अवलोकन करते रहने की सूचना जारी की गई है। अपर कलेक्टर ने बताया कि अभ्यर्थियों का चयन, लिखित और कौशल परीक्षा के मेरिट के माध्यम से किया जायेगा, जिसमें चरणवार लिखित कौशल परीक्षा ली जायेगी। लिखित परीक्षा के परिणाम अनुसार मेरिट सूची जारी की जायेगी। लिखित परीक्षा के मेरिट सूची अनुसार वर्गवार 1 पद के विरूद्ध 3 पात्र अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा के लिए बुलाया जायेगा। कौशल परीक्षा के परिणाम अनुसार अंतिम मेरिट सूची तैयार की जायेगी। साथ ही चयन सूची तथा प्रतिक्षा सूची भी तैयार की जायेगी। प्रतिक्षा सूची एक वर्ष के लिए मान्य होगी। कौशल परीक्षा के परिणाम आधार पर तैयार मेरिट सूची के अनुसार एक पद के विरुद्ध 2 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जायेगा।

पोषण माह : चिल्फी परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रें में प्रतिदिन पोषण माह के निर्धारित थीम पर कराई जा रही गतिविधियां

रुद्रांश दर्पण कवर्धा

चिल्फी परियोजना में पोषण माह का संचालन बड़े जोर-शोर से किया जा रहा है। परियोजना के सभी 168 आगंनबाड़ी केंद्रों में प्रतिदिन पोषण माह में निर्धारित थीम पर गतिविधियां कराई जा रही है। इसी क्रम में आज आंगनबाड़ी केंद्रां में छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली विभिन्न भाजियों के बारे प्रदर्शनी लगाई गई एवं भाजी के महत्व के बारे में बताया गया। माताओं को आस-पास मिलने वाले भाजी, उनमें मौजूद पोषण तत्व, प्रोटीन आदि के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई साथ ही बच्चों को सभी प्रकार के भाजी खिलाने,उनके पोषण स्तर को बढ़ाने के लिए जागरूक किया गया। यहां बताया गया कि शारीरिक बीमारी के बचाव में जिन भाजियों का महत्व है इस विषय पर बिंदुवार चर्चा की गई। साथ ही केंद्रों में क्लस्टर अनुसार वजन त्यौहार का संचालन किया गया बच्चां का वनज, ऊंचाई लिया गया। इस दौरान गतिविधियों में सेक्टर पर्यवेक्षक द्वारा बच्चों के वजन और ऊंचाई का क्रॉस चेक किया गया। पोषण माह को जन आंदोलन के रूप में मनाते हुए इसमें सभी हितग्राही, माताएं, जन प्रतिनिधि शामिल हुए।

रुद्रांश दर्पण रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले का स्वास्थ्य अमला घर-घर पहुंचकर बना रहा छूटे हुए लोगों का आयुष्मान कार्ड। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर सीएमएचओ ने बैठक लेकर जिले में आयुष्मान योजना का लाभ अधिक से अधिक दिलाने के निर्देश दिए है। आगामी 10 दिनों तक कर्मचारी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में पहुंचकर अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाएंगे। इसके लिए प्रशिक्षण भी कर्मचारियों को दिया गया है।

रुद्रांश दर्पण बालोद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने गुरूर विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों का किया निरीक्षण। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य शासन

जिले में जारी है ओबीसी जातियों का सर्वेक्षण

रुद्रांश दर्पण बिलासपुर

20 तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश

एसडीएम ने बैठक लेकर की अब तक हुए सर्वे कार्य की समीक्षा

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के परिपालन में राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया है। जिसमें आयोग को पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन एवं सर्वेक्षण कर 7 बिंदुओं में अनुशंसा प्रस्तुत किया जाना है। 7वे बिन्दु के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन में अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण से संबंधित है। जिले में ओबीसी जातियों का सर्वेक्षण कार्य जारी है। आज नगर निगम सभा कक्ष में एसडीएम श्री पीयूष तिवारी ने सभी जोन कमिश्नर, निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी तलसीलदार, नायब तहसीलदार, सुपरवाईजर, सीडीपीओ और शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों की बैठक लेकर वर्तमान में कराए जा रहे ओबीसी सर्वे कार्य की जानकारी ली। उन्होंने सभी को निर्देशित किया गया है कि 20 सितम्बर तक सर्वे का काम पूरा कर लिया जाए। सभी की समस्याओं को भी सुना गया और निराकरण के सुझाव भी साझा किये गये। इसके अलावा सभी जोन कमिश्नर को निर्देश दिया गया कि वे अपने स्तर पर सभी सभी बीएलओ, विभागीय अधिकारियों की मीटिंग करा ले। ताकि कोई भी समस्या आती है तो उसका समाधान वहां पर ही किया जा सके। सर्वे का कार्य छुट्टी के दिनों में भी जारी रहेगा। एसडीएम ने ओबीसी वर्ग से अपील की है कि वे इस सर्वे के काम में कर्मचारियों को अपेक्षित सहयोग देते हुए अपनी सहभागिता निभाएं।

न्यायपालिका का धर्म हैं कि वो संविधान सम्मत तरीके से निष्पक्ष, निर्भीक होकर ईमानदारी से न्याय करें

राजस्थान। भीलवाड़ा / एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास पूर्व सदस्य स्थाई लोक अदालत भीलवाड़ा, वरिष्ठ विधि व्याख्याता ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि आज न्यायपालिका में भी विशेष विचार धारा के आधार पर कार्य हो रहा है। आरएसएस और संघ परिवार का एजेंडा है।1925 से वो अपना काम खुल कर या लुक्का छुपी की नीति पर करता रहा है। एक वक्त ये प्रतिबंधित संगठन भी रहा है। हां संवैधानिक शासन के प्रति इनके नजरिए से भी अब लोग वाकिफ हो रहे है। देश की समस्याओं को सांप्रदायिक नजरिए से देखने विशेष रुप से हिंदू मुस्लिम के नजरिए से! न्यायपालिका में बार और बेंच यदि किसी विशेष विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती है। तो न्याय दिलाने देने में इनकी प्रतिबद्धता की समीक्षा आवश्यक हो जाती है। सामाजिक राजनीतिक कानूनी सक्रिय कार्यकर्ता व्यास ने कहा कि न्याय संविधान के दायरे में ही देना आवश्यक है तो वकील या जज पहले कैसे विशेष धर्म संप्रदाय मत पंथ में आस्था हिमायती हो सकता है? वकील और जज का अपने प्रोफेशन में कोई धर्म मत विचार नही हो सकता है। न्यायपालिका का धर्म है। वो संविधान सम्मत तरीके से निष्पक्ष निर्भीक होकर ईमानदारी से न्याय करें अन्यथा संवैधानिक शासन व्यवस्था खत्म हो सकती है। ऐसे देश की एकता अखंडता, संप्रभुता, गरिमा खतरे में पड़ सकती है।

युवा कार्यकर्ता मेघवाल ने तेजाजी की महत्ता के बारे में बताया

राजस्थान। चित्तौडग़ढ़ / बाबा रामदेव जी एवं वीर तेजाजी महाराज तेजा दशमी के शुभ अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता शंकरलाल मेघवाल बिलडी ने क्षेत्र वासियों को सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक समरसता के संवाहक बाबा रामदेव का जीवन मानवता के कल्याण के लिए समर्पित रहा वीर तेजाजी गौ रक्षक के साथ सत्यवादी थे हमारा कर्तव्य है कि हम बाबा रामदेव वीर तेजाजी के जीवन से प्रेरणा ले। बाबा रामदेव एवं वीर तेजाजी महाराज अपने

तत्कालीन समय में समाज में व्याप्त असमानता भेदभाव रूढ़ियावादी पाखंडवाद के खिलाफ थे दोनों ही लोक देवताओं ने अपने क्षेत्र में इन सामाजिक बुराइयों की लड़ाई लड़ी एक आदर्श समाज बनाने की कल्पना संजोई जिसको हम उनके आदर्शों पर चलकर उनके सपनों के अनुसार समाज को बनाने का प्रयास करना चाहिए।मेघवाल ने कहा कि हमें बाबा रामदेव व वीर तेजाजी के जीवनी पढ़नी चाहिए और उनके अनुरूप राष्ट्र उत्थान में जुटना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब द्वारा दो? शिक्षकों को स्वर्गीय रामजस सोडाणी स्मृति प्रबुद्ध शिक्षक सम्मान

राजस्थान। भीलवाड़ा / अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भीलवाड़ा जिला शाखा द्वारा सुरास मांडल तहसील के मालीखेड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय के दो वरिष्ठ शिक्षकों विनोद कुमार चौधरी व राधेश्याम शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए स्वर्गीय रामजस सोडाणी स्मृति प्रबुद्ध शिक्षक सम्मान - 2024 भेंट किया गया है.। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत की राष्ट्रीय महासचिव अनिता सोडाणी व विद्यालय की प्रधानाचार्या पुष्पा गुर्जर थी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में क्लब के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश जागेटिया तथा क्लब की वर्तमान भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष डॉ.चेतना जागेटिया एवं जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट नीलम दरगड़ थे ! शिक्षक सम्मान कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वर्गीय रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाड़ा के निदेशक डॉ. अशोक सोडाणी ने की। इस अवसर पर विधालय के वरिष्ठ शिक्षकगण प्रकाश माली, चित्रा

गन्दोड़िया, महेश सोनी, अंजुम बिसायती, विक्रम सिंह, मंजू यादव, जगदीश चन्द्र सुथार, सोहन लाल बलाई, विजय चौबे का भी उपरणा पहना कर अभिनन्दन किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक प्रकाश माली ने किया।

जिला स्तरीय उत्सव में जिले के नवचयनित 248 कार्मिकों से वीसी द्वारा मुख्यमंत्री संवाद करेंगे

अनूपगढ़ / बीकानेर। द्वितीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम 17 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से रवींद्र रंगमंच पर आयोजित होगा। उत्सव के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा लगभग 7 हजार 7 सौ नए सरकारी कार्मिकों को संबोधित करेंगे। सभी जिले वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इससे जुड़ेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि समारोह में जिले के 248 नवनियुक्त कार्मिकों की भागीदारी रहेगी। इसके लिए 6 विभागों के नवनियुक्त कार्मिकों को आमंत्रित किया गया है। इनमें 99 अभ्यर्थी शिक्षा, 4 वन विभाग, 61 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, 5 विधि विभाग, 2 आयोजन तथा एक कार्मिक स्वायत्त शासन विभाग से होगा। सभी अभ्यर्थियों को प्रातः 9:30 बजे आना होगा। इसमें मुख्यमंत्री का संदेश, लोकसेवक

के कर्त्तव्य, दायित्व एवं अपेक्षाएं पुस्तिका आदि होंगी। उन्होंने बताया कि आमंत्रित युवाओं में से 10 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री द्वारा समारोह के दौरान दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवाओं से संवाद भी करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरूवार को कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश अनुसार सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रहें।

प्रो. विवेक पांडे राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक नियुक्त

राजस्थान। कोटा / तकनीकी विश्वविद्यालय के एचईएएस विभाग के प्रोफ़ेसर विवेक पांडे को कुलपति प्रो. एसके सिंह ने विश्वविद्यालय का नया परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया है। आरटीयू के सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने इस संबंध में प्रोफ़ेसर पांडे की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। प्रो. विवेक पांडे ने वर्तमान परीक्षा नियंत्रक डॉ. धीरेन्द्र माथुर से अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर नव नियुक्त परीक्षा नियंत्रक प्रोफ़ेसर पांडे ने कुलपति प्रो. एसके सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की प्रामाणिकता, विश्वसनीयता व गोपनीयता की प्राथमिकता उनका मुख्य ध्येय रहेगा साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय पर परीक्षा परिणाम एवं परीक्षा प्रणालियों के नवाचार को अपनी कार्ययोजना में शामिल करेगा। विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य

भी यही है कि परीक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, न्यायसंगत बनाया जाए जिससे छात्रों को एक बेहतर और न्यायसंगत मूल्यांकन का अनुभव हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप परीक्षा प्रक्रिया के सशक्तिकरण की दिशा में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. एसके सिंह के निर्देशन में नवीन आयाम स्थापित करेगा। वर्तमान परीक्षा पद्धति में विद्यार्थियों का सही मूल्यांकन किया जाना आवश्यक हैं। ज्ञान के अनुप्रयोग के कौशल, विश्लेषण, सृजन, मूल्यांकन जैसी उच्चतर क्षमता के कौशल के मूल्यांकन की आवश्यकता है।विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुधारात्मक सुझावों का क्रियान्वयन किया जाए।

अधिकारियों की बैठक में खाद्य मंत्री ने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

अनूपगढ़ / बीकानेर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री सुमित गोदारा ने कहा कि जिले में संचालित विभिन्न परियोजनाओं, निर्माण व विकास कार्य निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए ताकि उनका लाभ आमजन को मिल सके।गोदारा गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाहॉल में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के पश्चात जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्यधिक वर्षा के कारण जो सड़के क्षतिग्रस्त हुई है या अन्य नुकसान हुआ है, के मरम्मत प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के राज्य सरकार को भिजवाए जायें। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों व परिवारों को खाद्य सुरक्षा के तहत अनाज दिया जा रहा है, वे परिवार 31 अक्टूबर 2024 तक ई-केवाईसी करवा लेवें। अन्यथा 1 नवम्बर के पश्चात खाद्य सुरक्षा में अनाज लेने में दुविधा होगी। बैठक में सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़, शिल्प माटी एवं कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, करणपुर विधायक रूपिन्दर कुनर, जिला प्रमुख कविता रेगर, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, जिला परिषद सीईओ मृदुल सिंह, एएसपी श्री रघुवीर प्रसाद शर्मा, एडीएम सतर्कता नरेन्द्र पाल सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष गगनदीप कौर पांडे, न्यास सचिव अशोक कुमार असीजा, रीना, शिवा चौधरी, डॉ. अजय सिंगला, डॉ. दीपक मोंगा, डॉ. पीके बेरवाल, सुश्री कविता सिहाग, आशीष गुप्ता, अरूण कुमार शर्मा, धीरज चावला, जेपी सुथार, रणजीत कुमार, पन्नालाल कड़ेला, डॉ. नरेश गुप्ता, सन्नी प्रताप त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

शतरंज प्रतियोगिता में अक्षत कुमार लखारा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का प्रतिनिधित्व करेंगे

भीलवाड़ा।

68 वी जिला स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता अंडर -17 दिनांक 9 सितम्बर 2024 से 12 सितम्बर 2024 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुड़िया ब्लॉक सुवाणा में आयोजित हुई जिसमे विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय हुरड़ा के कक्षा 9 में अध्ययनरत अक्षत कुमार लखारा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया अभी अक्षत की उम्र अभी 14 वर्ष 2 माह है। अक्षत 19 सितंबर 2024 से 23 सितंबर 2024 तक कोटा में होने वाली राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का प्रतिनिधित्व करेंगे। अक्षत ने पिछले वर्ष

अंडर14 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व वेल्लोर तमिलनाडु में किया था। अक्षत को बचपन से ही शतरंज खेलने का शोक है। अक्षत ने इस जीत का श्रेय अपने कोच और परिवारजनों को दिया

गैरेज से चोरी की गई कार सहित सामान बरामद, दो अंतर्राज्यीय अभियुक्त गिरफ्तार

राजस्थान। चित्तौड़गढ़ / कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने कार चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए गैरेज से चोरी की गई दस लाख रुपए मुल्य की कार तथा गैरेज का सामना बरामद किया है दो अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 29 अगस्त 2024 को प्रार्थी यासीन पिता अमीन खान मुसलमान उम्र 28 साल निवासी रानी खेडा दरवाजा निमच रोड निम्बाहेडा थाना कोतवाली निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ ने एक रिपोर्ट पेश की कि मेरा गैरिज ऐके मारूती ऑटो गेरिज जो कि सीके गार्डन के सामने उदयपुर रोड पर स्थित है मेरी दुकान सायं को 5.00 पीएम पर बन्द कर ताला लगाकर मोहर्रम का त्यौहार होने के कारण घर पर था। आज दिनांक 29 अगस्त 2024 को सुबह 10 बजे दुकान पर गया वहां पर ताले टुटे हुए मिले व अन्दर देखा तो मेरा दुकान का सार सामान अस्त व्यस्त था एवं मेरी दुकान से कार साफ करने का वेकुम, जैक , दो बेट्री बोल्ट खोलने की गन, टुल बाक्स एवं कार का सामान नया और गाडियो के सेन्सर, दो कार की चाबी दुकान के अन्दर गाडी तैयार करने के लिये आई थी जो कि ग्राहक की गाडी अन्दर खडी थी उसको भी ले गए और हथोडी टामीया ले गए। यह घटना 3 बजे के बाद की है। घटना अज्ञात बदमाश मेरी दुकान के ताले तोड़ चौरी करके ले गए रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या दर्ज कर अनुसंधान सूरज कुमार सहायक उप निरीक्षक थाना कोतवाली निम्बाहेडा के जिम्मे होने से अनुसधांन किया गया। उक्त घटना को ट्रेस आउट कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश प्रदान किये जिस पर पर्वत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व बद्री लाल राव पुलिस उप अधीक्षक वृत निम्बाहेडा के नेतृत्व में राम सुमेर मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा द्वारा अनुसंधान अधिकारी एएसआई सूरज कुमार मय जाब्ते की टीम गठित की गई। दौराने अनुसंधान घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए एवं फुटेज मे संदिग्ध दो व्यक्ति दिखने पर उनके जाने वाले रास्ते पर ओछड़ी, कपासन राशमी, करेडा ,आमेट ,देवगढ तक लगभग 250 से अधिक कैमरे के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों के जाने वाले रास्तों को खंगाला गया सीसीटीवी फुटेज मे आने वाले संदिग्ध व्यक्तियो के फोटो मौतबिर, मौजीज, मुखबिरो को बताया गया लगभग 12 दिन तक पुलिस टीम ने लगातार अभियुक्तो की तलाश की गई ।काफी प्रयास के बाद एएसआई सूरज कुमार को जरिए मुखबिर खास से सूचना मिली की सीसीटीवी फुटेज मे दिखने वाला एक आरोपी कैलाश पिता लेहरू लाल माली उम्र 31 साल निवासी मांगरोल सूरत गुजरात हाल देवगढ राजसमन्द होना बताया इस पर ए.एस.आई. सूरज कुमार मय टीम द्वारा अभियूक्त कैलाश को डिटेन किया गया और पुछताछ की गई तो बताया कि मैने और मेरे दोस्त विकास उर्फ बंटी मीणा पिता सरदार सिंह मीणा निवासी आनन्द नगर देवास (एम.पी.) ने मिलकर गैराज मे रखे हुये अन्य किमती सामान चोरी कर ले गये थे। इस पर कैलाश माली व विकास मीणा को डिटेन कर पुछताछ की गई तो दोनो अपराध करना कबुल किया। उक्त कार्यवाही मे कोतवाली निंबाहेड़ा थाने के ए.एस.आई. सूरज कुमार, कानि. देवेन्द्र, विरेन्द्र, अमित तथा साईबर सैल के हैड कानि. राजकुमार, कानि. निर्मल, व कानि राजेश का योगदान रहा। गिरफ्तार आरोपी पीसी रिमाण्ड पर चल रहे है। जिनसे अनुसंधान जारी है। अन्य जगहो पर चोरी की गई एंवं निम्बाहेडा मे अन्य चोरी की वारदातो के बारे मे पुछताछ जारी है। और भी चोरी की वारदात खुलने की सम्भावना है।

आखिर क्यों बढ़ाया गया 'आयुष्मान भारत' का दायरा ?

केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के साथ 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकेंगे। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना का नया विशेष कार्ड जारी किया जाएगा। योजना के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों के 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को अपने लिए प्रति वर्ष पांच लाख तक का अलग से टॉप-अप कवर मिलेगा।

केंद्र सरकार ने लोगों के सेहत से जुड़ा बड़ा फैसला लिया है। आयुष्मान भारत योजना के लाभ के दायरे को बढ़ाया गया है। अब इस योजना का लाभ 70 वर्ष से अधिक हर बुजुर्ग को मिलेगा। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने इस मुद्दे को अपने घोषणा पत्र में भी शामिल किया था। बुधवार को कैबिनेट ने आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाने पर मुहर लगाई। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यू-एच-सी) के उद्देश्य को हासिल करने के लिए भारत सरकार ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी। यह पहल सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य है कि कोई भी पीछे न छूटे। योजना में दो घटक शामिल हैं- पहला स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र और दूसरा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय)। 23 सितंबर, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रांची, झारखंड में आयुष्मान भारत के दूसरे घटक यानी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के विस्तार को मंजूरी दे दी है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवर के विस्तार की घोषणा अप्रैल 2024 में प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। नए फैसले से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज मिल सकेगा। इसका लक्ष्य छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को पांच लाख रुपए तक के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर देना है। सरकार ने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इसमें शामिल कर लिया है। केंद्र के नए फैसले का लाभ छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले लगभग 4.5 करोड़ परिवारों को मिलेगा। केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के साथ 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकेंगे। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना का नया विशेष कार्ड जारी किया जाएगा। योजना के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों के 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को अपने लिए प्रति वर्ष पांच लाख तक का अलग से टॉप-अप कवर मिलेगा। हालांकि, इस टॉप-अप कवर परिवार के ऐसे अन्य सदस्यों के साथ साझा नहीं किया जा सकेगा जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य करीब 55 करोड़ लाभार्थियों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज मुहैया कराना है। मौजूदा समय में उन व्यक्तियों को योजना का लाभार्थी माना जाता है जो भारत सरकार के सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 डेटाबेस की विशेष श्रेणियों में शामिल हैं। दरअसल, 55 करोड़ लाभार्थियों की संख्या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 के आधार पर तय की गई थी। आयुष्मान भारत पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त-पोषित योजना है। इसकी कार्यान्वयन की लागत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बांटी गई है। योजना में समय-समय पर कई लाभार्थी वर्ग जोड़े जा चुके हैं। शुरुआत में इस योजना के तहत 10.74 करोड़ गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को शामिल किया गया था। बाद में केंद्र सरकार ने 2011 की जनसंख्या की तुलना में भारत की दशकीय जनसंख्या वृद्धि 11.7% को देखते हुए जनवरी 2022 में योजना के तहत लाभार्थी आधार को 10.74 करोड़ से बदलकर 12 करोड़ परिवारों तक कर दिया। देशभर में काम करने वाली 37 लाख आशा या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को लाभ देने के लिए इस योजना का और विस्तार किया गया। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अब योजना देशभर में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के सभी नागरिकों को पांच लाख रुपये की मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल कवरेज प्रदान करेगी। इसका मतलब है कि इन नागरिकों की आय का पैमाना अब खत्म हो गया है। यह योजना प्रत्येक पात्र परिवार को प्रति वर्ष 5,00,000 रुपये तक का कैशलेस कवर प्रदान करती है। 5,00,000 रुपये का लाभ फैमिली फ्लोटर के आधार पर है, जिसका मतलब है कि इसका उपयोग परिवार के एक या सभी सदस्य कर सकते हैं। पीएम-जय को इस तरह से बनाया गया है कि परिवार के सदस्यों की संख्या या आयु पर कोई सीमा नहीं है। इसके अलावा, पहले से मौजूद बीमारियों को पहले दिन से ही कवर किया जाता है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कुल 874 पैकेज और 1592 प्रक्रियाएं हैं। लाभार्थी अपना आयुष्मान भारत कार्ड सभी सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान कियोस्क और सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) से ले सकते हैं।

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिन्दी

उमेश चतुर्वेदी

जिस हिन्दी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपःसाधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिन्दी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई।

विहिन्दी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिन्दी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गर्वीले अतीत को लेकर हिन्दीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिज्ञ तो हिन्दी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिन्दी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिन्दी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है। इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिन्दी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिन्दी के इस प्रभावी हश्र पर इकबाल की पंक्तियां याद आना स्वाभाविक है-

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी।
सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-जमाँ हमारा।।

हिन्दी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिन्दी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिन्दी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिन्दीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिन्दी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिन्दी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, कर्नाटक हिन्दी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिन्दी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से न सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिन्दी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिन्दी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिन्दी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिन्दी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिन्दी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइव में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिन्दी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी।

जिस हिन्दी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपःसाधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिन्दी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिन्दी दिवस पाखंड बनकर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिन्दी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है।

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिन्दी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिन्दी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। लेकिन इसी बीच अंग्रेजी समर्थकों, हिन्दी विरोधी कहना ज्यादा समीचीन होगा, ने हिन्दी के खिलाफ षड्यंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिन्दी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिन्दीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिन्दी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिये मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिन्दी को लागू कर दिया जाता और हिन्दी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिन्दी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णो ने तुरंत अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिन्दी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते।

स्वाधीन भारत से एक और गलती हुई है। वैसे इसे गलती मानें या जानबूझकर रचा गया हिन्दीविरोधी षड्यंत्र कहें। स्वाधीन भारत की नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी ही रही। या यूं कहें कि हिन्दी या भारतीय भाषाओं की बजाय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए ऐसी राह तैयार की गई कि वे ही नौकरशाही में आ सकें। भारतीय भाषाओं को संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनाने के लिए आंदोलन चला तो उसके दबाव में भारतीय भाषाएं आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनीं तो लेकिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया का ढांचा ऐसा बना रहा कि अंग्रेजी माध्यम के छात्र ही ज्यादा चुने जाते रहे। हिंदी या भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षित इक्का-दुक्का विद्यार्थी अगर नौकरशाही में प्रवेश पाने में सफल रहे भी तो उनकी स्थिति 'नक्कारखाने में तूती की आवाज' जैसी रही। नरेंद्र मोदी के उभार और मोदी-शाह की जोड़ी के हिन्दी प्रेम के चलते नौकरशाही में हिन्दी के प्रति रूझान दिखा। नौकरशाही की भाषायी सोच में परिवर्तन आता दिखा भी। लेकिन अब पीछे मुड़कर देखते हैं तो लगता है कि वह नौकरशाही की रणनीतिक चाल रही। नौकरशाही ने शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम का संकेतभर दिया। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही रही। हिन्दी और भारतीय भाषाएं राजकाज में एक बार फिर पीछे हो गई हैं। अंग्रेजी अब भी नौकरशाही और राजकाज में वर्चस्व बनाए हुए है। उसके मनोभाव उसके इरादे को एक बार फिर जाहिर करने लगे हैं। वह एक बार फिर हिन्दी पर अंग्रेजी को ही उपर रखने लगी है। राजकाज एक बार फिर पुरानी पटरी पर कम से कम भाषायी लिहाज से लौटने लगा है। हिन्दी को लेकर ऐसा रूख नौकरशाही अगर दिखाती है तो इसकी वजह हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच की आपसी खींचतान के साथ ही शासन की रस्मी भाषा नीति भी है।

हिन्दी की राह में यूं तो कई बाधाएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी बाधा शासन में उसकी उपेक्षा और अंग्रेजीदां नौकरशाही का वर्चस्ववादी रवैया है। इस रवैये का नुकसान ज्यादातर जमीनी नागरिकों को ही उठाना पड़ता है। क्योंकि उनकी समस्याओं को सही मायने में समझने वाली ब्यूरोक्रेसी ही नहीं है। यह मोटा तथ्य है कि किसी व्यक्ति या इलाके की समस्याओं को वही गहराई से समझ सकता है, जो उस व्यक्ति की अपनी भाषा में सोचता हो, उस इलाका विशेष की माटी की संस्कृति से जुड़ा हो। लेकिन इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि ज्यादातर नौकरशाही ऐसी सोच से कोसों से दूर है। इसीलिए हिन्दी समेत भारतीय भाषाएं राजकाज के स्तर पर अंग्रेजी से कोसों पीछे हैं। उच्च स्तर पर प्रभाव के लिहाज से भी हिन्दी का स्थान कुछ खास नहीं है। हिंदी दिवस पर क्या हम इस नजरिये से हिन्दी की स्थिति को देखेंगे? वक्त आ गया है कि इस सवाल से गंभीरता से जूझा जाए।

स्पेशल

भारतीय वामपंथी आंदोलन के निर्विवाद स्तंभ थे येचुरी

ओंकारेश्वर पांडेय

सीताराम येचुरी नहीं रहे। भारत में किसानों, आदिवासियों, भूमिहीनों, युवाओं, और श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली आवाज खामोश हो गई। येचुरी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-ए) के महासचिव तो थे ही। ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य जैसी वाम विभूतियों के बाद येचुरी भारतीय वामपंथी आंदोलन के निर्विवाद स्तंभ के रूप में उभरे। संसद में येचुरी की पहचान एक प्रभावशाली और जोशीले वक्ता के साथ एक तेज-तर्रार और बेहतरीन तर्कशास्त्री की थी, जिनका सभी दलों के नेता सम्मान करते थे। संवैधानिक और राजनीतिक मामलों पर उनकी पकड़ ने उन्हें सत्तापक्ष के लिए एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंदी बना दिया था। सरकार की जवाबदेही को लेकर स्पष्टता, विश्वास और लोकतंत्र के प्रति गहरी जिम्मेदारी से भरे उनके सवाल संसद में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती पेश करते थे।

उन्होंने अपने जीवन में वामपंथी आंदोलन को नए आयाम दिए और भारतीय राजनीति में अपनी खास पहचान बनाई। उनकी मृत्यु न केवल सीपीआई-एम बल्कि पूरे भारतीय वामपंथ के लिए एक अपूरणीय क्षति है। येचुरी के निधन के साथ भारतीय राजनीति के एक युग का अंत हो गया, जिसने दशकों तक समाजवाद, समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में कार्य किया। सीताराम येचुरी का जन्म 12 अगस्त 1952 को मद्रास (अब चेन्नई) में एक तेलुगु ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता सर्वेश्वर सोमयाजुला येचुरी एक इंजीनियर थे और मां कल्पकम येचुरी एक सरकारी अधिकारी थीं। येचुरी ने नई दिल्ली के प्रेसिडेंट्स एस्टेट स्कूल से सीबीएसई बोर्ड की उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में अखिल भारतीय प्रथम रैंक प्राप्त की और सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने जेएनयू से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, जहां उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई।

येचुरी 1970 के दशक में इमरजेंसी के दौरान जेएनयू में छात्र नेता के रूप में उभरे। वे छात्र संगठन एसएफआई के अध्यक्ष बने और 1975 में इमरजेंसी के दौरान गिरफ्तार भी हुए। येचुरी के राजनीतिक जीवन ने इस कठिन दौर में आकार लिया, जिसने उन्हें जनसरोकारों और वामपंथी राजनीति की गहरी समझ दी।

2015 में सीपीआई-एम के महासचिव बने, जहां उन्होंने पार्टी के भीतर और बाहर अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। येचुरी ने अपने नेतृत्व में पार्टी की विचारधारा को बनाए रखने और जनसंवाद बढ़ाने का प्रयास किया।

समाजवाद और वामपंथी राजनीति का मुखर समर्थनः उन्होंने हमेशा से वामपंथी विचारधारा को मजबूती से थामा और समाजवाद, समानता और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार जोर दिया। येचुरी ने श्रमिकों, किसानों, आदिवासियों और समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाई। येचुरी ने भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि माना और इमरजेंसी के समय से लेकर अपने पूरे जीवन में इन मूल्यों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने संसद के भीतर और बाहर जनतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा के लिए हमेशा आवाज उठाई।

सीताराम येचुरी ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वामपंथी आंदोलन को नई ऊंचाइयां दीं। वे कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय वामपंथ का प्रतिनिधित्व करते रहे और वैश्विक स्तर पर समाजवाद की पक्षधरता की।

भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील ताकतों को मजबूत करने के लिए येचुरी ने कई मौकों पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से व्यापक गठबंधन की रणनीति पर जोर दिया ताकि सांप्रदायिक और दक्षिणपंथी ताकतों का मुकाबला किया जा सके। हालांकि सीताराम येचुरी ने भारतीय वामपंथी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनके नेतृत्व के दौरान पार्टी को कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा। येचुरी के नेतृत्व में सीपीआई-एम का प्रभाव धीरे-धीरे घटता गया, विशेषकर पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा जैसे राज्यों में। येचुरी के तमाम प्रयासों के बावजूद पार्टी अपने मजबूत गढ़ों में भी कमजोर होती गई। इसके कारण उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा कि वे पार्टी को पुनर्जीवित नहीं कर पाए। सीपीआई-एम के भीतर दो गुटों के बीच हमेशा टकराव रहा—एक प्रगतिशील गुट जो कांग्रेस और अन्य दलों के साथ गठबंधन के पक्ष में था, और दूसरा कठोर वामपंथी गुट जो सिद्धांतों से समझौता करने के खिलाफ था। येचुरी इस गुटबाजी को खत्म करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए।

आलोचकों का आरोप है कि येचुरी ने 21वीं सदी की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों से तालमेल नहीं बिठाया। जहां अन्य पार्टियां तेजी से बदलते डिजिटल युग और नई अर्थव्यवस्था के साथ आगे बढ़ रही थीं, सीपीआई-एम का संदेश और दृष्टिकोण पुराना प्रतीत होता रहा। येचुरी ने कांग्रेस के साथ मिलकर व्यापक विपक्षी गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन यह रणनीति खासकर पश्चिम बंगाल में सफल नहीं हो पाई। 2016 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और माकपा का गठबंधन बुरी तरह विफल रहा, जिससे उनकी राजनीतिक सूझबूझ पर सवाल उठाए गए। सीपीआई-एम के नेतृत्व में येचुरी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने में सफल नहीं हो पाए। पार्टी का प्रभाव मुख्य रूप से कुछ राज्यों तक सीमित रहा, और राष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होता गया। आलोचक येचुरी पर आरोप लगाते रहे कि वे पार्टी में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने में असफल रहे। वामपंथी विचारधारा के प्रति युवा वर्ग में रुचि कम होती गई, और पार्टी का नेतृत्व एक वृद्धिशील नेतृत्व तक सीमित रह गया। वामपंथी आंदोलन को भारतीय राजनीति में बनाए रखने के लिए सीताराम येचुरी को लगातार संघर्ष करना पड़ा। और कई बार उन्हें रणनीतिक समायोजन करने की आवश्यकता पड़ी।

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम तप...तन मिला तुम तप करो

विजय कुमार जैन
राघौगढ़ (गुना)

जिस तरह स्वर्ण पाषाण में स्वर्ण छिपा होता है, दूध के अंदर घी समाविष्ट रहता है, तिल के अंदर तेल व्याप्त होता है, उसी तरह इस देह में आत्मा विद्यमान है। उस आत्मा की अभिव्यक्ति ही परमात्मा की उपलब्धि है। यही धर्म साधना का मूल ध्येय है। स्वर्ण पाषाण को अग्नि में तपाया जाता है, तब उसकी कालिमा किहिमा गलकर पृथक होती है स्वर्ण का शुद्ध स्वरूप निखर उठता है। वह हमारे गले का हार बन जाता है। इसी प्रकार जो व्यक्ति तप अनुष्ठान करता है, उसकी आत्मा कुन्दन बन जाती है।

दूध में घी व्याप्त है। उसकी उपलब्धि सहज नहीं है। घी निकालना है तो पूरी प्रक्रिया अपनानी पडेगी, दूध को जमाना उसका दही बनाना होगा। उस दही का मन्थन कर नवनीत निकालना होगा। नवनीत को जब अग्नि पर तपाएंगे तब घी प्रकट होगा। अपने अन्दर छिपी भगवत्ता को भी हम इसी तरह प्रकट कर सकते हैं। आवश्यकता है उस शक्ति को पहचानने और तदनुकूल प्रयत्न की।

प्रत्येक प्राणी में अपार क्षमता है, उसकी अभिव्यक्ति तपस्या के बल पर होती है। मानव जीवन की सार्थकता अपनी आंतरिक शक्तियों के विकास में है। आत्मशक्ति के विकास और आत्म उपलब्धि के लिए तप सशक्त माध्यम है। मानव जीवन में यह सहज साध्य है। मानव जीवन का सार तप साधना है। तप की व्याख्या भिन्न-भिन्न प्रकार से की गई है। किसी ने वृत विशेष को तप माना है किसी ने वनवास कन्दमूल भक्षण अथवा सूर्य के आतप को तप माना है तो किसी ने देह और इन्द्रियों के दमन से ही तप की पूर्णता स्वीकार की है। परन्तु जैन धर्म में तप का विशद अर्थ किया गया है और उसमें शरीर मन और आत्मा की शुद्धि करने वाले प्रयोगों को स्थान दिया गया है। जैन ग्रन्थों में बारह प्रकार का तप बताया है अनशनतप, अनोदरतप, रस परित्याग तप, विविक्त शय्यासन तप, वृति परिसंख्यान तप, काय क्लेश तप, अभ्यन्तर तप, प्रायश्चित तप, विनम तप, वैयावृत तप, स्वाध्याय तप, कायोत्सर्ग तप ।

इच्छाओं का निरोध ही तप का मूल उद्देश्य है। ऐहिक आकांक्षाओं से ऊपर उठकर सिर्फ कर्म क्षय के लिए किया गया पुरूषार्थ ही तप है। कर्मों का दहन अर्थात भस्मकर देने के कारण ही इसे तप कहते है। तप वही है जहां विषयों का निग्रह है। जो शरीर के लिए उपकारी है वह आत्मा का अपकारक है तथा जो आत्मा के लिए उपकारी है वह शरीर का अपकारक है। देह विनाशी है, आत्मा अविनाशी है। आत्मा की अमरता और शरीर की नश्वरता को जान जाने के कारण उसका नजरिया ही बदल जाता है। साधारण व्यक्ति को तपस्वी के तप में कष्ट दिखता है, पर तपस्वी योगी तो उस कष्ट की स्थिति में भी आनंद मग्न रहता है। कष्ट उसे लगता ही नहीं। तपस्वी योगियों के दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं ये पंक्तियां-

आप हर मंजिल को मुश्किल समझते हैं,
हम हर मुश्किल को मंजिल समझते हैं।
बडा फर्क है हमारे आपके नजरिये में,
आप दिल को दर्द और हम दर्द को दिल समझते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं)

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2924 में जन अभियान परिषद को निभानी होगी महत्वपूर्ण भूमिका

रुद्रांश दर्पण झाबुआ
राजेश बैरागी

झाबुआ .. स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 में सभी विभागों के अतिरिक्त मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद को भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी । इसका कारण यह है कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता एवं समितिया सभी गांव में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। और उन्हें अपने गांव के बारे में ज्यादा जानकारी होती है। उक्त वक्तव्य आज झाबुआ जिले की अंबेडकर वाटिका के समीप स्थित सामुदायिक भवन में जिला कलेक्टर नेहा मीना ने व्यक्त किये । गौरतलब है कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है उसके परिपेक्ष में आज यह बैठक आयोजित कि गई ।जिसमें जिला कलेक्टर महोदय नेहा मीणा एवं जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान एवं अन्य विभागो के सभी अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि 13 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जाएगा जिसे प्रत्येक दिवस कोई ना कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जैसे की शालाओं में निबंध प्रतियोगिता , चित्रकला प्रतियोगिता एवं स्वच्छता जागरूकता को लेकर रैली आयोजित होगी । वहीं पंचायत स्तर पर आधिकारी एवं ग्राम पंचायत के कर्मचारी मिलकर अपने गांव को स्वच्छ बनाने में विभिन्न बिंदुओं पर कार्य कर सहयोग करेंगे । और 2 अक्टूबर को समापन दिवस के अवसर पर अच्छा कार्य करने वाले पंचायत एवम अन्य विभाग के कर्मचारियों को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ के जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर ने बताया की इस अभियान में परिषद की नवांकुर , प्रस्फुटन समितियां एवं सी एम सी एल डी पी पाठ्यक्रम के छात्र छात्राएं , मेंटर्स आदि भी इसमें भाग लेंगे। । और अपने गांव को स्वच्छ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे ऐसा । ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है । और हम सभी मिल इस अभियान में सहयोग प्रदान करेंगे । लगभग 2 घंटे चली इस बैठक में नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी , मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ के जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर, ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर भी उपस्थित रहे।

बलकवाड़ा पुलिस को मिली सफलता

निमरानी में इलेक्ट्रानिक दुकान पर चोरी की हुई थी वारदातगस्त के दौरान पुलिस ने चोरों को धरदबोचा

रुद्रांश दर्पण खरगोन
राजेश सुल्ताने

खरगोन – बलकवाड़ा थाना की खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस को रात में गस्त के दौरान चोरी करने वाले बदमाशों को पकड़ने में सफलता मिली है। बलकवाड़ा थाना प्रभारी रामेश्वर ठाकुर ने खुलासा करते हुए बताया की वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम गठित करके कार्रवाई की गई थी फरियादी अफसार पिता जैनुद्दीन खान जाति मेवाती मुसलमान उम्र 48 साल निवासी खडकवानी की निमरानी बायपास स्थित दुकान से स्पीकर,एम्प्लीफायर, लाईट सीरीज चोरी होने की सुचना पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था । विवेचना के दौरान मुखबीर सुचना पर औरंगपुरा फाटा ग्राम सत्राटी से पाँच संदिग्ध लडको (नाबालिक) को पकडा गया।जिससे पुछताछ पर निमरानी बायपास स्थित दुकान से स्पीकर,एम्प्लीफायर, लाईट सीरीज चोरी करना बताया गया जिससे बारिकी से पुछताछ करते चोरी गया मश्रुका बनारस ढाबे के आगे पुलिया के पास झाडियो मे छिपाकर रखना बताया जो चुराये गये 2 नग स्पीकर लाल रंग, 1 स्पीकर काला रंग, 6 स्पीकर छोटे, 1 स्पीकर बडा, 4 एम्प्लीफायर छोटे, 3 एम्प्लीफायर बडे, लाईट सिरिज को बैचने की फिराक मे थे, जिनकी निशादेही से चोरी गया मश्रुका 2 नग स्पीकर लाल रंग, 1 स्पीकर काला रंग, 6 स्पीकर छोटे, 1 स्पीकर बडा, 4 एम्प्लीफायर छोटे, 3 एम्प्लीफायर बडे, लाईट सिरिज कुल मश्रुका किमती 90000/– रुपये की जप्त की गई व घटना मे प्रयुक्त दो मोटर सायकले जप्त की गई । विधिवत कार्यवाही पश्चात बाल अपचारीयो को माननीय न्यायालय पेश किया गया। घटना मे प्रयुक्त दो मोटर सायकल मोटर सायकल मिली है।

महिलाओं को दिया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

रुद्रांश दर्पण उज्जैन
खाचरौद समरथ सेन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खाचरौद विकासखण्ड कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन के समन्वय से ग्राम घिनोदा में म. प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत द्वारा 50 ग्रामीण महिलाओं को 5 दिवसीय आचार, पापड़ बनाने पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसका समापन आज शुक्रवार को कृषि विज्ञान केन्द्र उज्जैन के सभागार में हुआ और सभी प्रशिक्षित महिलाओं को दक्ष प्रमाण पत्र वितरित किये गये।यह जानकारी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की वैष्णवी धाकड़ ने देते हुए बताया कि शासन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किया जा रहे प्रयासों के तहत इन महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उनका खुद का व्यवसाय शुरु करने के लिए बैंकों से ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा और सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी इन महिलाओं को दिलाया जाएगा । इस अवसर पर म. प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला उज्जैन से जिला परियोजना प्रबन्धक श्री अमित ब्रिजवानी, यंग प्रोफेशनल कृषि श्री विनोद भीमावद, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवम प्रमुख डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. मोनी सिंग, डॉ. रेखा तिवारी उपस्थित थी ।

मार्निग वाक ग्रूप की कार्यकारीणी गठित

रुद्रांश दर्पण उज्जैन
खाचरौद समरथ सेन

स्थानिय विवैकानन्द वाटिका मार्नीग वाक ग्रूप की कार्यकारीणी का गठन अध्यक्ष श्री विजय बरडिया ने सभी सदस्यो की सहमती से कीया गया जिसमे संरक्षक संजय मेहता ,राजेन्दं रावल , अध्यक्ष श्री विजय बरडिया ,उपाध्यक्ष श्री नृसिह विर ,सचिव श्री संतोष बामता ,सह सचिव श्री महेश माली ,कोषाध्यक्ष श्री रितेश बूपक्या ,मिडीया प्रभारी श्री राजेन्दं धाकड पार्षद ,मनोनित कीये गये तथा कार्यकारीणी मे श्री गोविन्द ठन्ना ,औजेश सौलकी ,रमेश सेन ,जलिलभाई ,अनिल जी परमार बनाये गये । इस अवसर पर ग्रूप के कोषाध्यक्ष श्री रितेश बुपक्या ने अपने पिताजी श्री कनकमलजी बुपक्या की स्मृती मे ग्रूप के सदस्यो को व्यायाम का सामान रखने के लिये गोदरेज की अलमारी प्रदान की गई जिसके लीये ग्रूप के वरिष्ट सदस्य श्री मोहनलालजी चावडा ,अमृतलाल जी सौनी ,गोपालजी अरौडा ,तथा शोभाराम जी परासिया द्वारा श्री बुपक्या का सम्मान कीया । कार्यक्रम का संचालन महेश माली ने कीया ओर आभार श्री संतोष बामता ने माना ।

रुद्रांश दर्पण शहडोल कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में बैगलोर में तीन दिवसीय आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे ओपेन प्रतियोगिता में शहडोल जिले की विजेता टीम के खिलाड़ियों एवं कोच से मुलाकात की। कलेक्टर ने इस प्रतियोगिता में विजय होने पर पूरी टीम एवं टीम कोच को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही कलेक्टर ने खिलाड़ियों से परिचय किया तथा चर्चा भी की। चर्चा के दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें स्वस्थ एवं मजबूत शरीर के लिए खेल एवं व्यायाम बहुत जरूरी होता है। उन्होनें कहा कि हमें अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कोई न कोई खेल अवश्य खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल के साथ– साथ पढ़ाई में भी ध्यान देना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि खेल से हमारे शरीर का विकास होता है तथा पढ़ाई से हमारा बौद्धिक विकास होता है। कलेक्टर ने विजयी टीम का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप खेल में इतनी ज्यादा मेहनत करें कि आप प्रतिदिन या प्रत्येक माह में अपना बनाया हुआ खुद का रिकार्ड तोड़े तथा नया रिकार्ड बनाएं। उन्होनें कहा कि हमें अपने कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से मेहनत करनी चाहिए, किसी भी खेल या प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले पूर्ण रूप से अपने आप को तैयार कर लेना चाहिए। छात्रों से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित खेल युवा कल्याण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को खेल एवं कराटे के साथ तैरना भी सिखाए। उन्होनें कहा कि तैरना एक साथ कई व्यायाम करने के समान है, इसलिए शरीर स्वस्थ रखने के लिए तैरना भी जरूरी होता है। उन्होनें कहा कि तैरने के लिए स्वींमिगपूल बनाने एवं कराटे मैदान नहीं होनें पर कराटे मैदान के लिए भी खेल युवा कल्याण विभाग को प्रस्ताव भेजें। कलेक्टर ने खिलाड़ियों एवं कोच को मेडल एवं प्रमाण पत्र भी दिया तथा शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल लोक शिक्षण शहडोल श्री रईस अहमद सहित श्री अजय कुमार सोंधिया, दयानन्द सोंधिया, श्री कमलकान्त साहू,श्री अजय कुमार चौधरी, कुमारी शिवानी नामदेव, श्री किशोर साकेत व टीम के खिलाड़ी उपस्थित रहें।

रुद्रांश दर्पण भिण्ड
नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने नगर परिषद मेहगांव के वार्ड क्रमांक 07 का निरीक्षण कर अति वर्षा से हुई जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही वार्ड वासियों से चर्चा कर कुशलक्षेम जाना। इस दौरान कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, एसपी डॉ असित यादव सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

4,800 से अधिक नगरीय निकायों में से झाबुआ की टीम सुपर 8 का चयन हुआ

रुद्रांश दर्पण झाबुआ

स्वच्छता ही सेवा अभियान के लॉन्च कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री आवास एवं नगरीय विकास मंत्रालय , श्री मनोहर लाल खट्टर से संवाद के लिए 4,800 से अधिक नगरीय निकायों में से झाबुआ की सुपर 8 का चयन हुआ । हालांकि समय के आभाव के कारण मंत्री जी से वन टू वन बातचीत नहीं हो पाई , किंतु सुपर 8 की टीम वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का हिस्सा बनी , जोकि ज़िले के लिए गौरव की बात हैं।

जैसा कि विदित है कि मन की बात कार्यक्रम के 113वें एपिसोड में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा झाबुआ जिले के वेस्ट से वेल्थ अभियान के तहत बने गार्डन का उल्लेख किया गया था। उन्होंने कहा था कि मध्य-प्रदेश के झाबुआ में, कुछ ऐसा शानदार हो रहा है, जिसे आपको जरूर जानना चाहिए। वहाँ पर हमारे सफाई कर्मी भाई-बहनों ने कमाल कर दिया है। इन भाई-बहनों ने हमें वेस्ट से वेल्थ का संदेश सच्चाई में बदलकर दिखाया है। इस टीम ने झाबुआ के एक पार्क में कचरे से अद्भुत कलाकृतिया तैयार किया है।कलेक्टर नेहा मीना ने सम्पूर्ण टीम को स्वच्छता ही सेवा अभियान में अपनी रचनात्मकता के साथ कार्य करने और भविष्य में अनेक उपलब्धियों को प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी ।

कौन है झाबुआ की स्वच्छता की टीम सुपर-8 गार्डन की समस्त कलाकृति एवं सम्पूर्ण कार्य बिना किसी बाहरी व्यक्ति के सहयोग के नगर पालिका झाबुआ में कार्यरत सफाई मित्रो द्वारा ही अपनी मेहनत से तैयार की गई,जिसे कलेक्टर नेहा मीना द्वारा झाबुआ की स्वच्छता की टीम सुपर 8 नाम दिया गया हैं। जिसमे मुख्य रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में श्री कमलेश जायसवाल एवं श्री टोनी मलिया प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक के द्वारा अपने निर्देशन में व्यक्तिगत रूचि के साथ किया, डिज़ाइन का कार्य श्री सचिन कालिया सफाई जमादर एवं श्री नितेष रमेंष द्वारा ,वेस्ट मेटेरियल एकत्रित श्री कमलेश मन्नु सफाई जमादार, श्री महेश बाबुलाल सफाई जमादार एवं श्री अर्जुन सोहन जनसंरक्षक द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउण्ड एवं अन्य स्थलो से वेस्ट समाग्री एकत्रित करण का कार्य किया गया और अन्तिम रूप देने एवं रंगाई कार्य एवं पेन्टींग कार्य श्री विजय बाबुलाल एवं श्री विजय घुलिया द्वारा पेन्टींग कार्य किया गया।

मिलाद-उन-नबी के उपलक्ष्य में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

रुद्रांश दर्पण छतरपुर

भाईचारे की भावना से पर्व मनाने की अपील, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष छतरपुर में मिलाद–उन–नबी के उपलक्ष्य में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एसपी अगम जैन, एडीएम मिलिंद नागदेवे, एएसपी विक्रम सिंह सहित संबंधित अधिकारी और समिति के सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कलेक्टर श्री जैसवाल ने 16 सितम्बर 2024 को मिलाद उन नबी पर्व के संबंध में अधिकारियों को शांति, कानून व्यवस्था एवं आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात प्रभारी को यातायात व्यवस्था बेहतर बनाए रखने एवं आवश्यक मार्ग डायवर्सन के संबंध में निर्देश दिए। साथ ही नगरपालिका, पीडब्ल्यूडी एवं एमपीईबी को स्वच्छता, सड़क व्यवस्था एवं रोड पर लाइटिंग व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। साथ ही सीएमएचओ को निर्देश दिए कि एम्बुलेंस सहित स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। एसपी श्री जैन ने कहा कि पर्व को सौहार्द से मनाएं और किसी अप्रिय घटना की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें। इसके अलावा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न डालें। साइबर सेल द्वारा सोशल मीडिया पर नजर रखी जाएगी एवं व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन भी सतर्कता बरतें। इस दौरान सभी से सुझाव भी लिए गए। मिलाद उन नबी का जुलूस 16 सितम्बर को मुश्किल कुशाली से दोपहर 2 बजे प्रारंभ होकर छत्रसाल चौराहा से होते हुए लगभग शाम 6 तक समाप्त होगा।

उरतान नार्थ भूमिगत कोल माईन्स परियोजना का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, फलदार पौध का भी किया रोपण

रुद्रांश दर्पण अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने तहसील कोतमा अंतर्गत जेएमएस माईन्स प्रायवेट लिमिटेड के उरतान नार्थ भूमिगत कोल माईन्स परियोजना के कार्यों का मौका मुआयना कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान खनि निरीक्षक श्रीमती ईशा वर्मा तथा जेएमएस के वाईस प्रेसीडेंट श्री संदीप कुमार, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय कहार, खान प्रबंधक श्री राजीव मिश्रा, श्री चार्ल्स डिक्सन, वित्त प्रबंधक श्री एस.भट्टाचार्य उपस्थित थे। कलेक्टर ने भ्रमण के दौरान कोल माईन्स परियोजना के संचालन के संबंध में जानकारी ली तथा अधिग्रहीत भूमि के एवज में भूमि स्वामियों को प्रदान किए गए रोजगार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सुरक्षा के मापदण्डों, माईन्स के संचालन के लिए उपयोग की जा रही टेक्नालाजी तथा अन्य कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विचार-विमर्श करते हुए जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कोयले की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने माइंस के भ्रमण के दौरान परिसर में जामुन के फलदार पौध का रोपण किया।

रुद्रांश दर्पण रायगढ़ 39वां चक्रधर समारोह में आज रायगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार हुतेन्द्र ईश्वर शर्मा और उनकी टीम ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को गीत और नृत्य के माध्यम से पेश किया सुआ नृत्य और ददरिया गीतों से दर्शकों का मनोरंजन किया।

नवोदय विद्यालय चिस्दा सक्ति की छात्राओं ने एमबीबीएस में सफलता पाई

रुद्रांश दर्पण रायपुर नवोदय विद्यालय चिस्दा सक्ति की छात्राओं ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भूमिका पटेल और ऋतु नेताम का चयन रायपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए हुआ है। वहीं, मुस्कान पटेल का चयन दुर्ग मेडिकल कॉलेज में और लिलिमा सिदार का चयन सिम्स बिलासपुर में हुआ है। लिलिमा सिदार और ऋतु नेताम ने बताया कि अगर नवोदय विद्यालय का साथ और वहां के संसाधन नहीं होते, तो उनकी कोई पहचान नहीं होती। उन्होंने अपनी सफलता में नवोदय विद्यालय की महती भूमिका बताई। भूमिका पटेल ने भी नवोदय विद्यालय के परिवेश, शिक्षकों की गहन मॉनिटरिंग, काउंसलिंग, और पैरेंटल केयर को अपनी सफलता का श्रेय दिया है। ये सभी छात्राएं ग्रामीण परिवेश से आई हैं और शुरू से ही मेधावी रही हैं। विद्यालय की प्राचार्य श्री ए बी सक्सेना ने इन छात्राओं की सफलता का श्रेय उनकी सतत मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। राष्ट्रीय पुरस्कृत शिक्षक केके पटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय न केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि करियर और जीवन कौशल भी सिखाता है। यह दृष्टिकोण छात्रों को अकादमिक के साथ-साथ व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में भी सक्षम बनाता है, जिससे वे समाज में प्रभावी भूमिका निभा सकें। ऋतु नेताम की कहानी प्रेरणादायक डुमरपारा बाराद्वार के गरीब किसान की बेटी ने अपनी मेहनत और संघर्ष के बल पर एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, दक्षिणा फाउंडेशन की स्कॉलरशिप ने उनकी राह आसान की और उन्होंने बिना कोचिंग के माध्यम से सफलता प्राप्त की। यह उनकी लगन और कठिनाई पर विजय पाने की मिसाल है।

ऋतु नेताम

लिलिमा सिदार

मुस्कान पटेल

भूमिका पटेल

धीवर समाज लोहर्सी परिक्षेत्र की कार्यकारणी बैठक पामगढ़ विधायक मान0 शेषराज हरवंश जी की मुख्य आतिथ्य में 13 सितंबर को लोहर्सी में संपन्न हुआ

रुद्रांश दर्पण जांजगीर-चांपा धीवर समाज लोहर्सी परिक्षेत्र की बैठक दिनांक 13/09/2024 को ग्राम लोहर्सी मे अमृत लाल ढीमर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान श्री रामचंद्र के तैलचित्र की फूलमाला पहना ,चंदन गुलाल से टीका लगाकर पूजा अर्चना किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत श्रीफल,शाल एवम पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया संभागीय धीवर समाज महासभा बिलासपुर के संरक्षक आर एल धीवर जी द्वारा स्वागत भाषण में सामाजिक स्थिति और समाज की दशा दिशा बदलने के संकल्प के साथ साथ लोहर्सी में सामाजिक भवन में किचन,किचन शेड और शौचालय की मांग पत्र को पेश कर 5 लाख की मांग से शुरू हुआ तत्पश्चात राघवेन्द्र प्रताप सिंह जिला पंचायत उपाध्यक्ष जांजगीर द्वारा लोहर्सी में धीवर समाज के विकास हेतु दिए गए सामाजिक भवन की जानकारी ली और निरीक्षण करते हुए सामाजिक भवन के लेंटर के लिए सचिव को दूसरा किस्त 2 लाख दिलाने के लिए निर्देश देते हुए भविष्य में भी समाज के विकास में योगदान देने की आश्वासन दिए तत्पश्चात पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश द्वारा समाज विकास मे हिस्सेदारी और जिम्मेदारी को याद दिलाते हुए भूमि पूजन की याद करते हुए है किचन,किचन शेड और शौचालय की मांग को पूरा करने और भविष्य में हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए आदर्श ग्राम केरा के लिए 10 लाख की भवन की जानकारी भी साझा की तत्पश्चात अमृत लाल ढीमर जी लोहर्सी रेंज अध्यक्ष द्वारा अतिथियों का कीमती अमूल्य समय देने के लिए आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आगे कार्यक्रम में सामाजिक पदाधिकारियों ने अपने उद्बबोधन में हर परिस्थिति में मजबूती के साथ समाज विकास के लिए खड़े रहने की संकल्प लेते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से आर एल धीवर एसडीओ साहब महासभा संरक्षक, परस धीवर और रामलाल धीवर कार्यकारिणी सदस्य,अमृत लाल ढीमर रेंज अध्यक्ष,नवीन भीष्म उपाध्यक्ष, अनंदराम धीवर कोषाध्यक्ष,रामलाल धीवर, लोहर्सी परिक्षेत्र के समस्त केंद्र अध्यक्ष एवम पदाधिकारीगण साथ ही गोपाल धीवर,संतराम,प्रभात धीवर लोहर्सी के सैकड़े संख्या में स्वजातीय बंधु शामिल हुए

पंतोरा बस्ती में गणेश उत्सव की उत्साह

रुद्रांश दर्पण जांजगीर-चांपा पंतोरा के शक्ति चौक में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है जिससे गांव में हर्ष का माहौल बना हुआ है और इस शुभ अवसर पर लगातार आठ वर्ष से डांस का आयोजन रखा जाता है और इस वर्ष 14 सितंबर को रखा गया है जिसमें दूर-दूर से डांसर बंधु भाग लेने आते हैं और मंच पर अपना कलाकृति प्रस्तुत करते हैं इस वर्ष के डांस प्रतियोगिता में प्रथम इनाम 7001 द्वितीय नाम 5001 तृतीय इनाम 3001 चतुर्थ इनाम 2001 पंचमी इनाम 1001 रखा गया है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय दिनेश सिंह प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा प्रभारी कटघोरा विधानसभा और पूर्व भाजपा प्रत्याशी अकलतरा विधानसभा से उपस्थित रहेंगे विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय श्री लाल बहादुर सिंह जी जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहेंगे

जेल निरीक्षण समिति द्वारा जिला जेल खोखरा और उपजेल सक्ती का किया गया निरीक्षण

रुद्रांश दर्पण जांजगीर-चांपा

जांजगीर-चांपा 13 सितम्बर 2024/ सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन के अनुक्रम में जेलों में निरुद्ध बच्चों के सत्यापन के लिए जिला जेल खोखरा एवं उप जेल सक्ती का निरीक्षण किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि सभी बैरकों में समस्त बंदियों से उम्र संबंधी जानकारी लिये गये। सभी बैरकों में समस्त बंदियों से उम्र संबंधी जानकारी लिये गये, जहां विधि के उल्लंघन करने वाले किशोर नही पाये गये। कुछ बंदियों द्वारा अवगत कराया गया कि उनके निवास स्थान में बच्चों का पालन-पोषण एवं देखरेख करने हेतु कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है। वह स्वयं व उसकी परिवार जेल में निरुद्ध है। ऐसे बंदियों के बच्चों की सूची तैयार की गई, जिसे बाल कल्याण समिति के माध्यम से संस्थागत संरक्षण प्रदान किया जावेगा। जेल के कर्मचारीयों को निरीक्षण समिति द्वारा अवगत कराया गया कि जेलों में प्रवेश देते समय यदि बंदी 18 वर्ष से कम के प्रतीत होने की स्थिति में या उम्र के प्रति संदेहास्पद होने के स्थिति में समिति के सदस्यों को तत्काल सूचना दी जावे ताकि समिति द्वारा उम्र सत्यापन के पश्चात किशोरों को संप्रेषण गृह में संरक्षण की प्रारंभिक कार्यवाही की जा सके। निरीक्षण के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह जायसवाल, संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) सुश्री पूजा तिवारी, कार्यकर्ता श्रीमती संतोषी वैष्णव, सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री हर्षवर्धन सिंह, जेल अधीक्षक श्री टोडर एवं श्री सतीश चन्द्र भार्गव एवं जेलों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीठ परिषद आदित्यवाहिनी - आनन्दवाहिनी की संभागीय बैठक कल

रुद्रांश दर्पण रायपुर
अरविन्द तिवारी

रायपुर - ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय श्रीगोवर्द्धनमठ पुरीपीठाधीश्वर अनन्तश्री विभूषित श्रीमज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानंद सरस्वतीजी महाभाग द्वारा संस्थापित संगठन धर्मसंघ पीठ परिषद , आदित्यवाहिनी - आनन्दवाहिनी की दुर्ग संभाग की महत्वपूर्ण संभागीय बैठक कल 15 सितम्बर रविवार को दोपहर ढाई बजे भगवान लंगूरवीर मंदिर परिसर शनिचरी बाजार दुर्ग में आयोजित है। इस बैठक में आदित्यवाहिनी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष टीकाराम साहू सहित प्रांतीय पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से ईश्वरी अभियान अखंड हिन्दू राष्ट्र भारत की स्थापना में गुरुजी का अनुसरण कर गिलहरी की भाँति सहभागी बनने एबं आगामी दिनों में गुरुजी के छत्तीसगढ़ प्रवास पर चर्चा , मठ मंदिरों को केंद्र बनाकर चलाये जा रहे साप्ताहिक एवं मासिक प्रकल्प पर चर्चा , संगठन की आगामी योजना एवं प्रदेश कार्यकारिणी संबंधित चर्चा , संगठन विस्तार एवं योजनाओं में कार्य करने में आ रही बाधाओं पर चर्चा और संगठन विस्तार की दृष्टिकोण से प्रत्येक जिले में प्रवास एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण केन्द्रों पर विस्तृत रूप से गहन चर्चा की जायेगी। इसके अलावा बैठक में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसाद वितरण किया जायेगा।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में किया गया नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

रुद्रांश दर्पण बलरामपुर

नशामुक्त भारत के अंतर्गत कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा सुचारू रूप से नशा मुक्ति अभियान का संचालन किया जा रहा है। साथ ही इस अभियान के तहत् विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच नशा के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 200 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में बताया गया। साथ ही नशा से दूर रहने का शपथ भी दिलाया गया ।कार्यक्रम में आबकारी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं चाइल्ड लाइन के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थिति की समीक्षा की

रुद्रांश दर्पण रायपुर
अरविन्द तिवारी

रायपुर - अपराधियों के मन में कानून का भय हो , पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले। आम जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास कायम रहे , बेवजह किसी नागरिक को परेशान ना किया जाये। पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के साथ मित्रवत हो , पुलिस थानों का वातावरण ऐसा हो कि आम नागरिक को पुलिस थानों में प्रवेश करते समय सहयोग की उम्मीद हो। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी के न्यू-सर्किट हाउस में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुये कही। उन्होंने प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण के लिये कलेक्टर एवं एसपी आपसी समन्वय स्थापित करते हुये प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दंड संहिता को बदल कर न्याय संहिता कर दिया है। इसका जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पुलिस को इन नये कानूनों के अनुरूप कार्य करने के लिये स्वयं को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन देने के लिये प्रतिबद्ध है और पिछले वर्षों की तुलना में अपराध की संख्या में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नये सिरे से सोशल पुलिसिंग को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है , इससे अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। लोगों को जागरूक करना और उन्हें इस बात का भरोसा दिलाना होगा कि पुलिस उनके साथ है। सीएम साय ने कहा कि राज्य में गौ-तस्करी व नशाखोरी एक बहुत बड़ी समस्या है , इस पर कड़ाई से नियंत्रण सुनिश्चित करते हुये ऐसे मामलों में एंड टू एंड कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री , जुआ , सट्टा एवं गांजा की तस्करी को रोकने के लिये अभियान चलाकर दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें। समाज में अशांति फैलाने वालों , अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें और उनके खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। हत्या जैसे मामले में कार्यवाही में देरी नहीं होनी चाहिये तथा ऐसे मामलों में प्राथमिकता से त्वरित गति से कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला बदर और प्रतिबंधात्मक कार्यवाही रुकनी नहीं चाहिये, उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक मामलों में देरी ना हो और जिला बदर की कार्यवाही केवल कागजों पर ना हो बल्कि वास्तव में हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब बिक्री की बहुत शिकायत है जिसमें पुलिस पर संरक्षण के आरोप लगते है , यह बिलकुल नहीं होना चाहिये। अवैध शराब बिक्री पूरी तरह बंद होना चाहिये। कई जगहों में अवैध शराब बिक्री की जांच को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है , इस संबंध में शिकायतें मिलती है कि जांच टीम सही से जांच नहीं कर रही , अधिकारी जांच में उपस्थित नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि में धोखाधड़ी के मामले भी सामने आ रहे हैं , जिन पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिलासपुर पुलिस रेंज में अपराधों में कमी आई है , लेकिन इससे संतुष्ट नहीं होते हुये पुलिस की सक्रियता का स्तर और बेहतर करने की जरूरत है। इसी प्रकार

उन्होंने कहा कि दुर्ग पुलिस रेंज को और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि हत्या और डकैती के मामले छह महीने में भी नहीं सुलझ पा रहे , ये उचित नहीं है। कई मामलों में आरोपी फरार है , इस पर जल्दी कार्यवाही होनी चाहिये। सीएम साय ने कहा कि राजनांदगांव पुलिस रेंज में कुछ जगह अच्छे काम हुये हैं , त्रिनेत्र एप और चिटफंड मामलों में अच्छी कार्यवाही हुई है लेकिन सिर्फ इतना पर्याप्त नहीं है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुये कहा कि आम लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सीट-बेल्ट , हेलमेट पहनने की समझाइश दी जाये। उन्होंने बैठक में आने वाले दिनों में पुलिसिंग को और अधिक विश्वसनीय?, पारदर्शी व उत्तरदायी बनाने की दिशा में किये जा सकने वाले उपायों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने रायपुर रेंज की समीक्षा करते हुये राजधानी में पुलिसिंग की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि रायपुर प्रदेश की राजधानी है और यहां की पुलिसिंग का सर्वोत्तम स्तर पर होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने रायपुर में भूमाफियाओं द्वारा शासकीय और आम नागरिकों की जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर गंभीर चिंता जताते हुये कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग मिलकर इस समस्या पर कड़ी नजर रखें और तुरंत कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीली दवाइयों की बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस अवैध व्यापार के इकोसिस्टम को तोड़ना होगा और अपराध की जड़ तक पहुंचकर इसे समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि रायपुर में स्कूल और कॉलेजों में नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है , ताकि युवाओं को इस घातक प्रवृत्ति से बचाया जा सके। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी में रात की गश्त को और प्रभावी बनाने की जरूरत पर जोर देते हुये पुलिस पेट्रोलिंग को लगातार जारी रखने और संगठित अपराधों के खिलाफ कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वे योजना बनाकर अपराध और अपराधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलायें ताकि अपराध पर काबू पाया जा सके और कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो सके। इस कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव अमिताभ जैन , पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा , राज्य के संभागायुक्त , पुलिस महानिरीक्षक , कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सियार की तलाश में शंकरपुर पहुंची वन विभाग की टीम

भरगामा. भरगामा थाना क्षेत्र के शंकरपुर और शेखपुरा गांव में करीब एक दर्जन लोगों पर सियार के हमले के बाद डीएफओ मेघा यादव ने 3 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है. शुक्रवार को वन विभाग की जांच टीम शंकरपुर गांव पहुंचकर पीड़ित व ग्रामीणों से जानकारी जुटाई. इस दौरान पंजों के निशान आदि भी लिए गए. ग्रामीणों को सतर्क रहने की बात कही गई. बुधवार की देर शाम शंकरपुर गांव निवासी सरोज सिंह के 20 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार,विनेश मेहता के पुत्र मोहन मेहता,रुदिलाला ऋषिदेव के पुत्र रमेश ऋषिदेव,बुच्चाय ऋषिदेव के पुत्र अटीन ऋषिदेव शेखपुरा गांव निवासी फरेवी यादव के पुत्र आनंदी यादव,अनिल यादव की पुत्री चंचल कुमारी,उमानंद यादव तथा अनमोल यादव के भैंस का बच्चा पर सियार के हमले की घटना के बाद लोग दहशत में हैं. इस खबर को दैनिक प्रात: संकलन अखबार ने शुक्रवार के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था. खबर पर संज्ञान लेते हुए डीएफओ मेघा यादव ने सियार की तलाश के लिए 3 सदस्यीय वन विभाग की जांच टीम को शंकरपुर गांव भेजकर घायलों से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली. इसके बाद वन विभाग की टीम ने कई जगहों पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया,लेकिन सियार का पता नहीं चल सका. वन विभाग की जांच टीम के वनपाल भूपेंद्र यादव,वनरक्षक नीतीश कुमार,वनरक्षक शिवम कुमार सहित अन्य वन कर्मी शुक्रवार को शंकरपुर गांव पहुंचकर सबसे पहले सियार के हमले में जख्मी सरोज सिंह के पुत्र आदित्य कुमार से पूरी घटना की जानकारी ली. ग्रामीणों के बयान आदि दर्ज कर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर हमला करने वाले जंगली जानवर के पंजों के निशान देखे. क्षेत्र में गश्त कर झाड़ियों आदि में उक्त जंगली जानवर की तलाश की. जांच टीम ने कहा कि हो सकता है कोई सियार भटक कर इस गांव की तरफ आ गया होगा. अगर कभी जंगली जानवर का हमला हो तो ग्रामीणों को भयभीत नहीं जागरूक और सतर्क रहने की जरूरत है. अगर जानवर शिकार के लिए आया होगा तो फिर से आएगा. अगर रास्ता भटक कर आया होगा तो वह भाग गया होगा. वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में गस्ती करेगी. 3 सदस्यीय वन विभाग की जांच टीम के वनपाल भूपेंद्र यादव ने बताया कि किसी आदमखोर सियार ने उक्त लोगों पर हमला किया है,उस आदमखोर सियार की तलाश के लिए वन विभाग की टीम सक्रिय है.

जिला कलेक्टर ने डीएमएफटी के तहत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की

अनूपगढ़ / बीकानेर। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने डीएमएफटी के तहत विभिन्न विभागों में प्रगतिरत कार्यों की रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।डीएमएफटी फंड द्वारा विभिन्न विभागों में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि इसके तहत स्वीकृत जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं उनकी पूर्णता रिपोर्ट भिजवाई जाए, साथ ही बकाया कार्यों की वर्तमान स्थिति के संबंध में रिपोर्ट दें जिससे आगे का फंड जारी किया जा सके। जिला कलेक्टर ने जिला परिषद और अन्य संबंधित विभागों को डीएमएफटी के तहत नए कार्य करवाने के लिए प्रस्ताव बनाकर भिजवाने के भी निर्देश दिए। वृष्णि ने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से लिया जाए जिससे क्षेत्र के निवासियों के लिए विभिन्न कार्य स्वीकृत कर यहां के विकास को नई दिशा दी जा सके। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा डीएमएफटी फंड के तहत जारी कार्यों की जानकारी भी दी गई। बैठक में सीईओ जिला परिषद सोहनलाल, खनि अभियंता एमपी पुरोहित, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी राजेश पुरोहित के सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उदयपुर में खंडेलवाल भवन में कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

उदयपुर। खंडेलवाल वैश्य समाज की महिलाओं कीऔर से सेंट्रल एरिया स्थित खंडेलवाल भवन में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। खंडेलवाल वैश्य समाज की महिलाओं ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना मेरे लाड़ले गणेश की प्रस्तुति से की और कृष्ण भक्ति मनिहारी का भेष बनाया,श्याम चूड़ी बेचने आया जैसे गीतों से कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समाज की सभी महिलाओं ने भजन,कीर्तन और भक्ति गीतों पर नृत्य कर प्रस्तुति दी परम्परानुसार मनिहारी का वेश बनाकर कृष्ण राधा ने सभी को हरी और लाल चुडिया बांटी । मंच संचालन श्रीमती उषा गुप्ता एवं मीना गुप्ता ने किया और कान्हा जन्म सुनी आया यशोदा मैया दे दो बधाई जैसे गीतों पर मीना गुप्ता ने समा बांध दिया ।महिला समिति श्रीमती मधु झालानी,सुनीता, सुधीर,शिप्रा, स्वाति, नेहा, सीमा, सुप्रिया, प्रियंका, नीलम, माधवी, निशि, गीता, सरिता झालानी ने हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से गूंज के साथ समाजजन को भाव विभोर कर दिया।

उप जिला कारागृह में निरुद्ध बंदियों के लिए किया गया शांति शिक्षा कार्यक्रम

रुद्रांश दर्पण गंगापुर सिटी पुरुषोत्तम

प्रजापत जिला मुख्यालय के उप जिला कारागृह में उप महा निरीक्षक कारागृह रेंज जयपुर मोनिका अग्रवाल के निर्देशानुसार जेलर सुखवीर सिंह की उपस्थिति में राज विधा केंद्र द्वारा कुशालगढ़ क्लब के संयुक्त तत्वावधान से शांति और मानवता शिक्षा अभियान के तहत निरुद्ध बंदियों और स्टाफ को आध्यात्मिक मोटीवेशन भजन और शांति शिक्षा का वीडियो लैपटॉप के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय शांति वक्ता प्रेम रावत का शांति संदेश सुनाया गया । जिसमे प्रेम रावत जी ने कहा की ये जीवन अनमोल है, इसे व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए। ओर अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए, जिस शांति की तुम्हे तलाश है वो कही और नही आप सभी के अंदर है। जरूरत है उसे जानने की । जिसे निरुद्ध बंदियों ने ध्यानपूर्वक सुना और आगे सुनने की इच्छा जाहिर की। इस अवसर पर जेलर सुखवीर सिंह और क्लब चेयरमैन लक्ष्मीकांत शर्मा ने कैदियों व स्टाफ को शांति शिक्षा के बारे में जानकारी दी। और बुरी संगत छोड़ कर इस जीवन को अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए उन्होंने प्रेम रावत के कार्यक्रम की काफी सराहना की। इस मौके पर जेलर सुखवीर सिंह, कुशालगढ़ क्लब चेयर मैन राजा लक्ष्मी कांत शर्मा, जेल स्टाफ में शेर सिंह , ओमप्रकाश प्रहरी सहित निरुद्ध बंदी मौजूद रहे।

दलित समाज पर हो रहे अन्याय ओर अत्याचार के लिए मुख्यमंत्री शिंदे को ज्ञापन द्वारा कटोर करवाई करने की मांग की

सांगली / सोलापुर। महाराष्ट्र राज्य में दलित समुदाय के साथ लगातार अन्याय और अत्याचार हो रहा है। यह बात निंदनीय है. मातंग समाज अभी भी शांति पूर्वक है क्योंकि वह भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के संविधान का सम्मान करने वाला समाज है। जिन आत्याचारियो ने मातंग दलित समुदाय के साथ अन्याय किया है, उन पर अत्याचार किया है, वे अब मातंग समुदाय की ओर तिरछी नजरों से भी ना देखे वरना हम किसी भी तरह का जवाब देने के लिए तैयार हैं। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर विचार मंच के अध्यक्ष विश्वास मोहिते ने दलित समुदाय के साथ आगे से किसी ने अन्याय, अत्याचार किया तो उसे नही छोड़ा जायेगा,महाराष्ट्र राज्य में मातंग समुदाय के युवाओं को अक्सर कार्यकर्ताओं द्वारा पीटा जाता है और धमकी दी जाती है। उन्होंने यह चेतावनी हाल ही में सांगली जिले के बहे ग्राम के मातंग दलित समुदाय के कार्यकर्ता देवकर की आंखों में मिर्च पाउडर फेंककर पिटाई करने और राहुरी तहसील के दलित मातंग समुदाय के परिवार पर जानलेवा हमले की घटनाओं के मद्देनजर दी है. विश्वास मोहिते ने इस ज्ञापन निवेदन पत्र में कहा कि मातंग समुदाय के साथ लगातार हो रहा अन्याय एक निंदनीय मामला है. मातंग समाज भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के संविधान का पालन करेगा और इसलिए कानून को अपने हाथ में नहीं लेगा. संयम का मतलब कायरता नहीं है. यह अत्याचारियों को इस बारे में सोचना चाहिए और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नामदार एकनाथ शिंदे को इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए. विश्वास मोहिते ने फैक्स मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री नामदार एकनाथ शिंदे को ज्ञापन निवेदन द्वारा मांग की कि वे इस मामले पर विशेष ध्यान दे. सांगली जिले के बहे ग्राम में हुई घटना और राहुरी तहसील में मातंग समुदाय के परिवार पर हमले को गंभीरता से लेना चाहिए और पुलिस को दोषी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देना के लिए ज्ञापन निवेदन दिया।

जाबो कार्यक्रम अंतर्गत विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश

रुद्रांश दर्पण बलरामपुर कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के निर्देशन में आगामी पालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आम निर्वाचन 2024-25 के जागरूकता के लिए ''जागव वोटर'' (जाबो) कार्यक्रम के तहत सभी विकासखण्डों के 39 विद्यालयों के नव वोटर विद्यार्थियों ने अपने जनदीक के पारे-मोहल्लों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करते हुए रैली निकालकर नव वोटरों को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने का संदेश स्लोगन के माध्यम से दिया। कार्यक्रम में 78 विद्यालयों के 42000 विद्यार्थियों ने अलग-अलग पारा-मुहल्ला में जागरूकता फैलाया।

केजरीवाल को जमानत मिलना संविधान की जीत

अरविंद केजरीवाल की जमानत पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में उचतम न्यायालय से जमानत मिलने को संविधान की जीत बताया है। यादव ने एक्स पर लिखा, दिल्ली के लोकप्रिय व जन कल्याणकारी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत 'संविधान की जीत है। उन्होंने कहा कि संविधान विरोधी ही संविधान का दुरुपयोग करते हैं और न्याय के दरवाजे पर दी गयी दस्तक हमेशा सुनी जाती है। दुनिया अब तक इसी परंपरा पर आगे बढ़ी है और भविष्य में भी बढ़ती रहेगी।

बता दें कि उचतम न्यायालय ने आबकारी नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी और कहा कि लंबे समय तक जेल में रखना स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित करने के समान है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उजवल भुइयां की पीठ ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी और दो जून को आत्मसमर्पण करने के बाद से वह जेल में हैं।

केजरीवाल अपने कार्यालय या दिल्ली सचिवालय नहीं जा सकते

शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को मामले के बारे में कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया और कहा कि ईडी मामले में लागू नियम व शर्तें इस मामले में भी लागू रहेंगी। शीर्ष अदालत ने ईडी मामले में उन्हें जमानत देते हुए कहा था कि केजरीवाल अपने कार्यालय या दिल्ली सचिवालय नहीं जा सकते और जब किसी बहुत जरूरी मामले में ऐसा करना हो तो उन्हें उपरायपाल से मंजूरी लेनी होगी। अदालत ने कहा कि निकट भविष्य में मुकदमा पूरा होने का अनुमान नहीं है और अदालत ने केजरीवाल द्वारा जांच को प्रभावित किए जाने की आशंका खारिज कर दी। अलग से निर्णय लिखने वाले न्यायमूर्ति भुइयां ने जमानत देने को लेकर न्यायमूर्ति कांत से सहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति भुइयां ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया और कहा कि एजेंसी का उद्देश्य ईडी मामले में उन्हें जमानत दिए जाने में बाधा डालना था। वह ईडी मामले में रिहाई के समय केजरीवाल को गिरफ्तार करने को लेकर सीबीआई की जल्दबाजी को समझ नहीं पाए हैं, जबकि उसने 22 महीने तक ऐसा नहीं किया। सीबीआई केजरीवाल के गोलमोल जवाबों का हवाला देते हुए उनकी गिरफ्तारी और लगातार हिरासत में रखे जाने को उचित नहीं ठहरा सकती।

बोले- पैसे दे देना नही तो जान से मार देंगे

माफिया अतीक अहमद के रिश्तेदारों ने मांगी 20 लाख की रंगदारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में IS-227 के गैंग लीडर रहे अतीक अहमद के करीबियों ने एक बार फिर धमकी देकर 20 लाख रंगदारी मांगी है। पीड़ित का आरोप है कि एयरपोर्ट इलाके में माफिया के गुर्गे नसीम अहमद उर्फ नस्सन के बेटों जीशान अहमद और अल्फैज अहमद ने उससे 20 लाख की रंगदारी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने धमकी भी दी है कि अगर उसने घर बनाया तो वे उसे मार देंगें। शिकायत मिलने के बाद एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने 2 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों को तलाश रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, शाहा उर्फ पीपल गांव कटहुला गौसपुर के निवासी रिटायर्ड फौजी श्रीकान्त प्रधान का आरोप है कि वह अपने प्लाट पर मकान का निर्माण करा रहे हैं। इसी बीच जीशान अहमद व अल्फैज अहमद पुत्रगण स्व. नसीम अहमद उर्फ नस्सन और उसके साथ 20 साथी आए और धमकी देने लगे।

बताया जा रहा है कि जीशान अहमद और अल्फैज अहमद ने असलहा दिखाकर गाली दी और उनकी जेब में रखे 1 लाख रुपये भी छीन लिए। इसके साथ ही उन्होंने धमकी दी कि अगर मकान का निर्माण कराना है तो 20 लाख रुपए रंगदारी देनी होगी।

इतना ही नहीं उन्होंने आगे कहा कि मैं अतीक अहमद का रिश्तेदार हूं।

अच्छा करेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे, गलत करेंगे तो उसके दुष्परिणाम भी आपके सामने आएंगेः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के ऋषि परम्परा अनुरूप यह संस्थान अब एक हॉस्पिटल से इंस्टिट्यूट बनकर उत्तर प्रदेश में उत्तर भारत का चिकित्सा केंद्र बन रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए यहां के प्रबंधन रेजिडेंट डॉक्टर्स स्टूडेंट्स को हृदय से बधाई दी। योगी ने कहा कि अच्छा करेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे, गलत करेंगे तो उसके दुष्परिणाम भी आपके सामने आएंगे। योगी ने कहा कि आपके द्वारा किये गए पुरुषार्थ से जनता को लाभ मिल रहा है,लेकिन अगर कोई संस्था या सन्स्थान गलत हाथों में चला गया तो अपयश भी मिलता है। उन्होंने कहा कि लखनऊ आज उत्तरप्रदेश का सबसे बड़ा केंद्र है,लखनऊ पूर्वी उत्तरप्रदेश, बिहार या नेपाल का गेटवे है। वहां के लोग इलाज के लिए लखनऊ आते हैंऔर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आते है।

उन्होंने कहा कि जब दुनिया का कोई व्यक्ति उत्तरप्रदेश के बारे में सुनता है कि 25 करोड़ की आबादी यहां निवास करती है तो चौंक

जाता है। इस दौरान सीएम ने कहा कि यूपी के अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवध्य है। उन्होंने कहा कि जब संस्थान अच्छे लोगों के हाथ में होता है तो परिणाम अच्छा मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान के मेहनत से जनता को फायदा होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

VIP ट्रेन में रेलकर्मी ने बच्ची से की छेड़खानी

लखनऊ से कानपुर तक आरोपी को पीटते रहे यात्री, मौत

कानपुर। हमसफर एक्सप्रेस में बच्ची से छेड़खानी का एक मामला सामने आया है, जहां पर आरोप है कि 34 साल के रेलकर्मी ने बच्ची से छेड़खानी की। उसके बाद नाराज यात्रियों और परिजनों ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। उसके बाद आरोपी को कानपुर सेंट्रल पर उसे *GRP* के हवाले किया। कुछ घंटे बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उसके बाद रेलवे पुलिस ने उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक पूरी घटना बरौनी से नई दिल्ली जा रही हमसफर एक्सप्रेस (02563) की है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला प्रशांत कुमार (34) सीवान से दिल्ली जा रहा था।८ष्ट थर्ड इकोनॉमिक्स कोच में वह सफर कर रहा था। प्रशांत रेलवे में ग्रुप-डी में नौकरी करता था। इसी कोच में एक परिवार भी अपनी 11 साल की बच्ची के साथ था। बताया जा रहा है कि बच्ची की मां टॉयलेट के लिए गई थी इस दौरान आरोपी ने बच्ची से छेड़खानी की। जब मां बाहर आई तो पीड़ित बच्ची की चीखचीख कर रोने लगी। इस दौरान बच्ची ने मां को घटना की जानकारी दी। उसके बाद महिला ने घटना की जानकारी साथ में सफर कर रहे पति और ससुर को दी।

छेड़खानी से नाराज परिजनों और यात्रियों ने आरोपी को पीटा

नाराज पति और ससुर ने आरोपी को पीटने लगे उसके बाद कोच के सभी यात्री उसकी जमकर पिटाई शुरू कर दी। बताया जा रही है कि आरोपी को लखनऊ से कानपुर सेंट्रल तक आरोपी को खुब पीटा उसके बाद उसे कानपुर रेलवे पुलिस को सौंप दिया। जहां पर उसकी हालत बिगड़ गई । उसके बाद से आनन- फानन में अस्पताल पहुंचा गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया था पॉक्सो एक्ट के तहत केस

रेलवे पुलिस के मुताबिक आरोपी को कानपुर सेंट्रल पर यात्रियों और परिजनों ने सौंपा था। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। उसके बाद आरोपी की तबियित बिगड़ गई। इलाज के लिए उसके अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल लखनऊ का ऐशबाग था, इसलिए मुकदमे को ट्रांसफर कर दिया।

जनरल टिकट पर *AC* में कर रहा था सफर

GRP की पड़ताल में पता चला कि प्रशांत जनरल टिकट पर हमसफर एक्सप्रेस के,ष्ट कोच में सफर कर रहा था। बच्ची के परिजनों ने बताया कि वह ३ञ्श्व की दी हुई सीट नंबर 11 पर बैठा था।

प्रशांत को अपने पिता एस कुमार की मौत के बाद मृतक आश्रित में नौकरी मिली। वह मूलरूप से समस्तीपुर बिहार का रहने वाला था। निजी काम से नई दिल्ली जा रहा था। फिलहाल मृतक प्रशांत के चाचा आर सिंह कानपुर पहुंचे। पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम करवाया गया। उसके बाद शव को सौंप दिया गया।

आगरा को ''विरासत शहर घोषित करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज, कहा- कोई आधार नहीं

लखनऊ। उच्चतम न्यायालय ने आगरा को ''विरासत शहर घोषित करने का अनुरोध करने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी और कहा कि याचिका में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि इस तरह की घोषणा से शहर को कोई विशेष लाभ मिलेगा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने ताजमहल और उसके आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में 1984 में दायर जनहित याचिका पर अर्जी को खारिज कर दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''याचिका में ऐसा कुछ नहीं दर्शाया गया है जिससे यह पता चले कि इससे शहर को कोई विशेष लाभ मिलेगा। यह अदालत इस तरह की घोषणा की अनुमति नहीं दे सकती। याचिका खारिज की जाती है।सुनवाई के दौरान पीठ ने वकील से पूछा कि अगर 'विरासत शहर% का दर्जा मिल जाए तो इससे शहर को क्या फायदा होगा और इस तरह की घोषणा के लिए कानून के तहत क्या प्रावधान है। वकील ने कहा कि आगरा को विरासत शहर घोषित करने की आवश्यकता है क्योंकि इसका 1,000 साल पुराना इतिहास है और यहां कई ऐतिहासिक धरोहर हैं जिन्हें संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। वकील ने कहा, ''आगरा को विरासत शहर घोषित करने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजन में मदद मिलेगी और क्षेत्र का संरक्षण होगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा,''.... आगरा शहर को विरासत शहर घोषित करने से क्या लाभ मिलेगा? क्या इस घोषणा से आगरा स्वच्छ हो जाएगा? अगर इससे मदद नहीं मिलती है तो यह व्यर्थ की कवायद है।

प्रेमिका ने भाई और उसके दोस्त संग मिलकर काटी प्रेमी की गर्दन

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद बिलारी के सहसपुर निवासी सोनू की हत्या का खुलासा हो गया है। उसकी हत्या उसकी प्रेमिका मेहनाज ने अपने भाई और उसके दोस्त के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने गुरुवार को आईटीआई छात्रा मेहनाज, उसके भाई और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक सोनू का सिर बरामद कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर इस हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि बिलारी के सहसपुर निवासी सोनू 9 सितंबर की शाम एक फोन आने पर अपने घर से चला गया था। वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश में जुट गए थे। पिता साबिर ने 11 सितंबर की सुबह बिलारी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि रामपुर के सैफनी क्षेत्र के जंगल में एक युवक का सिर कटा शव मिला है। सूचना पर परिजन भी पहुंच गए और परिजनों ने शव सोनू का होने की पुष्टि की।

सुसाइड नोट लिखकर *IIT* की महिला प्रोफेसर ने की खुदकुशी

मैं साइको हूं...इसलिए अब अपनी जिंदगी खत्म करने का तय किया है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में *IIT* की एसोसिएट प्रोफेसर ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। इसकी जानकारी होते ही पड़ोसियों ने पुलिस को बुलाया। सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची और प्रोफेसर को फंदे से लटका हुआ देखा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और एक सुसाइड नोट बरामद किया। इस नोट में लिखा तो कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है, मैं साइको हूं...इसलिए जिंदगी खत्म करने का तय किया है। प्रोफेसर ने फांसी लगाकर किया

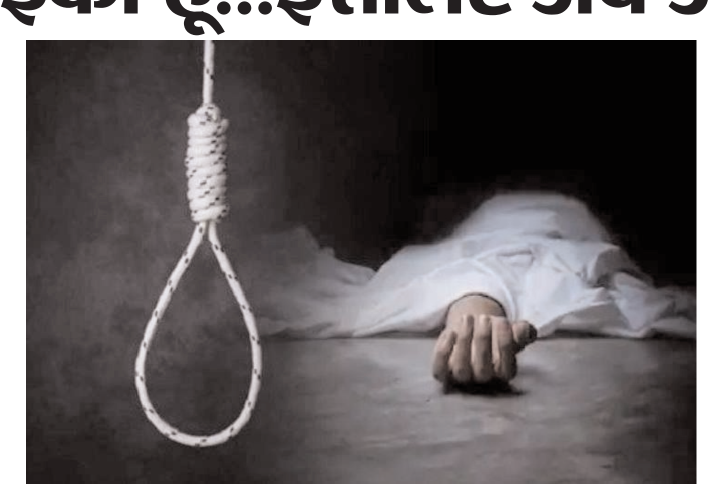

सुसाइड यह पूरा मामला इंदिरा नगर ए-ब्लॉक का है। यहां पर एसोसिएट प्रोफेसर आयुषी शर्मा अपने पिता विनोद शर्मा के साथ रहती थीं। आयुषी शर्मा ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। उनकी पड़ोसी अर्चना चिन्डियाल ने गाजीपुर थाने में सुसाइड की सूचना दी। अर्चना ने पुलिस को बताया कि शाम करीब 7 बजे वह विनोद शर्मा के घर पहुंची। घर में कोई दिखाई नहीं दिया। वह अंदर गई तो कमरे में पहुंची तो आयुषी शर्मा (33) पंखे पर दुपट्टे के सहारे लटकी थी।

पुलिस को मिला सुसाइड नोट

इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला। इस नोट में आयुषी ने लिखा है कि खुदकुशी करने के लिए सिर्फ वही जिम्मेदार हैं। आगे लिखा है कि मैं किसी से नाराज नहीं हूं...न किसी पर कोई आरोप है...मुझे कोई भी नहीं रोक सकता...मेरी मानसिक स्थिति 2019 से सही नहीं है। कुछ साल से मैं किसी से बात नहीं करती हूं। मैं सो नहीं पाती हूं...मैं हमेशा डरी और दर्द में रहती हूं...। मैं सभी से सब कुछ झूठ बोलती हूं। मैं साइको हूं...इसलिए अब मैंने अपनी जिंदगी खत्म करने का तय किया है। उसने आगे लिखा कि पिछले साल अक्टूबर में भी खुदकुशी करने के प्रयास में थीं लेकिन तब वह डर गई थीं। तब हिम्मत नहीं जुटा सकी थीं। मगर इस बार ऐसा नहीं होगा।

अकेलेपन और तनाव का शिकार थी आयुषी पुलिस के मुताबिक, पिता को पैरालाइज है। वह उठने-बैठने में असमर्थ हैं। आयुषी की बड़ी बहन बेंगलुरु में रहती हैं और जीजा यूएस में रहते हैं। बड़ी बहन ने बताया कि आयुषी अहिमामऊ स्थित IIIT में एसोसिएट प्रोफेसर थीं। लखनऊ में पिता के साथ रहती थी। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। परिजनों ने बताया कि आयुषी अकेलेपन की वजह से काफी समय से तनाव में थीं। वे किसी से यादा बातचीत नहीं करती थी और अकेले ही रहती थी। इसी तनाव की वजह से उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाया होगा। आयुषी डिप्रेशन में भी थी और उसकी दवाई भी चल रही थी। फिलहाल, पुलिस मामले में जांच कर रही है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्वामी प्रकाशक एव मुद्रक अंतरिक पवार द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स , प्लाट न. 26 बी दशबंधु परिसर प्रस कॉम्प्लक्स जोन 1 एम. पी. नगर भोपाल म. प्र. 462011 स मुद्रित एव ज 144 तृतीय तल हर्षवर्धन नगर भोपाल मध्यप्रदेश 462003 स प्रकाशित
संपादक : अंतरिक्ष पवार मोबाइल नं. 8770227143 सहसंपादकः मोनिका सूर्यवंशी मोबाइल नं. 8224095350 समस्त न्यायिक कार्यवहियो के लिए क्षत्राधिकारी भोपाल न्यालय का रहेगा RNI No. MPHiN/2016/67534